CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-294
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 27 जनवरी 2024

आज का विचार

फूल की पंखुड़ियाँ तोड़कर, तुम फूल की सुंदरता नहीं बटोरते।
-रवीन्द्रनाथ टैगोर

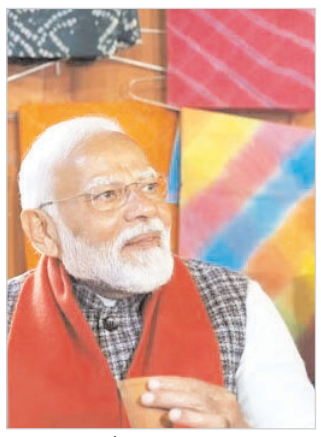

पेज-04

अब जेल में बंद कैदियों को सिखाए जाएंगे हुनर

मिलेगा रोजगार व्यापारी उठाएंगे खर्चा

सागर। जेल का नाम सुनते ही लोगों की रूह काप जाती है कि जेल के अंदर चक्की पिसवाई जाएगी, पत्थर तुड़वाए जाएंगे, लेकिन अब माहौल बदल रहा है. जेल के अंदर अब कैदी चरखा चलाते हैं, हथकरघा पर काम करते हैं. सिलाई ,बुनाई, कढ़ाई ,लकड़ी का फर्नीचर बनाते हैं, लेकिन अब जेल प्रशासन चाह रहा है कि जेल के अंदर बंद कैदियों को प्रशिक्षण देकर प्राईवेट सेक्टर से जोड़ा जाए, जिससे उन्हें रोजगार मिले, ओवर क्राउडिंग की समस्या ना हो और जेल को भी फायदा मिल सके. सागर केंद्रीय जेल के अधिकारियों के द्वारा एक प्रस्ताव बनाया गया है, जिसमें जेल परिसर में प्राइवेट सेक्टर को यूनिट स्थापित करने की जगह दी जाए, जो भी अपनी यूनिट लगाएगा, वह लेबर के लिए जेल से ही कैदियों को काम करवाने के लिए लेंगे. इसके लिए उन्हें 3 महीने का पहला प्रशिक्षण दिया जाए. प्रशिक्षण के समय कुछ तय राशि हो. उसके बाद जब वह सीख जाए तो तय मापदंडों के अनुसार उनको काम के पैसे दिए जाएं इसके साथ ही कैदी उपलब्ध कराने पर कुछ पैसे जेल को भी मिले. इस तरह की थीम पर सागर केंद्रीय जेल के बंदियों ने एक झांकी तैयार की थी, जिसे गणतंत्र दिवस समारोह में दिखाया गया. जिसमें यह भी बताया कि खतरनाक मुजरिम और गैंगस्टर अगर जेल में आते हैं तो किस तरह से उनको रखा जाना चाहिए. सागर केंद्रीय जेल के अधीक्षक ने बताया कि हर साल की तरह जेल के कैदियों ने ही यहां की तैयार की थी, जिसकी थीम थी '2047 में हमारा भारत कैसा होगा'. उसमें आध्यात्मिक उन्नति, इकोनामिक डेवलपमेंट, अंतरिक्ष में भारत की ताकत, सेव अर्थ के रूप में तीन चरण रेड्युज, रीसायकल रीयुज, पूरी दुनिया में हमारे यहां से बौद्धिक उन्नति ,आर्मी की ताकत इन सभी बिंदुओं पर साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में जो एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं. नए संसाधनों का उपयोग हो रहा है. एग्रीकल्चर डेवलपमेंट हमारा कैसा होगा. तो यह सारी थीम एक झांकी में थी. इसी तरह से दूसरी झांकी में जेल में जो कैदी हैं उनको प्राइवेट सेक्टर से ट्रेंड कराकर के प्राइवेट सेक्टर की ही यूनिट जेल में लगाएं, जिससे कैदियों को रोजगार मिले ओवरक्राउडिंग की समस्या खत्म हो. समाज में स्थापित होने के लिए उनको एक अच्छा माहौल मिले. साथ ही साथ जो गैंगस्टर हैं. खतरनाक मुजरिम है. उनको जेल में कैसे रखना है, ताकि वह लोगों को परेशान ना कर सके. अपराधों का संचालन न कर सकें.

पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन बोलीं-

अयोध्या में मेरे साथ जो हुआ कभी नहीं भूल सकती...

इंदौर। इंदौर में सेवा सुरभि द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजनखूब रोईं। अयोध्या राम मंदिर से लौटकर भगवान राम के दर्शन के बारे में अपने अनुभव सुनाते हुए वे रोने लगीं और उन्होंने कहा कि मैं वह अनुभव सुनाते समय खुद पर नियंत्रण नहीं रख सकती। वहां मुझे जो अनुभव हुआ उसे मैं कभी भी भूल नहीं सकती। भगवान राम को देखकर मुझे वहां भी आंसू आ गए थे और आज उस अनुभव को सुनाते वक्त फिर मेरी आंखें नम हो गई हैं। पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन ने कहा वहां हर बड़ा व्यक्ति भी छोटा था। अयोध्या राम मंदिर में सब व्यक्ति आम नागरिक बनकर गए। बड़े बड़े लोग वहां की व्यवस्था में लगे हुए थे। देखना, अब राम राज्य आएगा। वह दृश्य देखने के लिए मेरी आंखें तरस गईं थीं। वहां पर सभी यह कह रहे थे कि रामलला को जी भरकर देखेंगे, हमने भी तो मंदिर के लिए अपना योगदान दिया है। इतना बड़ा आयोजन हो गया, लेकिन किसी को कोई परेशानी नहीं हुई। अपनी लाठी से एक साधु ने पुलिस वाले की पिटाई की लेकिन पुलिस वाले ने खुशी-खुशी पिटाई खा ली। ताई ने कहा कि जब मैंने रामलला को देखा तो आंखों में आंसू आ गए। पर मैंने जब रामलला की आंखों में देखा तो लगा कि उनकी आंखें भी नम हैं। जैसे वो कह रहे हों कि मैं आ गया। ये अनुभव में कभी नहीं भूलूंगी।

चिराग पासवान पहुंचे दिल्ली, महागठबंधन की टूट की अटकलों पर दिया जवाब

बिहार की सियासत के लिए आज बेहद अहम दिन रहने वाला है। सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि आज बिहार में महागठबंधन सरकार कभी भी गिर सकती है। बस मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के घोषणा का इंतजार है। बता दें कि इससे पहले कल नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे थे, लेकिन उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नहीं पहुंचे थे। जिसके बाद अटकलों को और बल मिल गया। वहीं 26 जनवरी के एक कार्यक्रम में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच दूरी भी देखी गई। एक तस्वीर वायरल हुई थी जिसमें दोनों को एक दूसरे से 5 फीट की दूरी पर खड़ा देखा गया। बिहार के सियासी संकट से जुड़े पल-पल के अपडेट के लिए बने रहें जागरण.कॉम के साथ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ ब्रह्मेश्वरनाथ धाम का उद्घाटन करने के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि जो भगवान की इच्छा होगी, वही होगा। पहली बार, मैंने ही उन्हें (नीतीश कुमार) यहां लेकर आया था, और आज भी मैं उन्हें लेकर आया।

केजरीवाल बोले- 7 विधायकों को 25 करोड़ ऑफर किए गए

भाजपा की दिल्ली सरकार गिराने की साजिश, चाहते हैं मुझे अरेस्ट करें, फिर MLA तोड़ें

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर दिल्ली की आप सरकार को गिराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि भाजपा के एक नेता ने पिछले दिनों दिल्ली के 7 MLAs को संपर्क कर कहा है कि कुछ दिन बाद केजरीवाल को गिरफ्तार कर लेंगे। उसके बाद MLAs को तोड़ेंगे। केजरीवाल के मुताबिक, भाजपा ने 7 आप विधायकों को कहा है कि 21 MLAs से बात हो गई है। बाकी विधायकों से भी बात कर रहे हैं। उसके बाद दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार गिरा देंगे। आप भी आ जाओ। 25 करोड़ रुपए देंगे और भाजपा की टिकट से चुनाव लड़वा देंगे। जरीवाल ने ये भी कहा कि भाजपा का दावा है कि उन्होंने हमारे 21 विधायकों से बात की है, लेकिन हमारी जानकारी के मुताबिक उन्होंने सिर्फ 7 विधायकों से बात की है और सभी 7 विधायकों ने भाजपा का ऑफर ठुकरा दिया।

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म

जरांगे ने सीएम शिंदे के हाथ से जूस पीकर अनशन तोड़ा

बोले- इस बार धोखा हुआ तो मुंबई आऊंगा

महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण आंदोलन खत्म हो गया है। शिंदे सरकार ने आंदोलनकारियों की सभी मांगें मान ली हैं। शनिवार (27 जनवरी) को सीएम एकनाथ शिंदे ने मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे से नवी मुंबई में मुलाकात की। उन्होंने जरांगे को जूस पिलाकर उनका अनशन खत्म करवाया और अध्यादेश की कॉपी सौंपी आंदोलन खत्म करने के बाद जरांगे ने कहा- हम 4 महीने से मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे थे। मराठा आरक्षण के लिए करीब 350 युवाओं ने आत्महत्या की। आज उनका सपना साकार हुआ। अब सरकार पर आरक्षण लागू करने की जिम्मेदारी है। अगर इस बार धोखा हुआ तो मैं मुंबई के आजाद मैदान आ जाऊंगा। इससे पहले शुक्रवार को जरांगे ने शिंदे सरकार को आज सुबह 11 बजे तक का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था- अगर 11 बजे तक आरक्षण का अध्यादेश जारी नहीं किया गया, तो वे 12 बजे मुंबई के आजाद मैदान पहुंचकर आंदोलन करेंगे। इसके बाद शिंदे सरकार ने देर रात अध्यादेश का ड्राफ्ट जरांगे के पास भेजा। इसमें जरांगे की मांगों का जिक्र था। मनोज जरांगे ने शुक्रवार (26 जनवरी) देर रात आंदोलन खत्म करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा- सीएम एकनाथ शिंदे ने अच्छा काम किया है। हमारी अपील मान ली गई है। हमारा विरोध अब खत्म हुआ। मनोज ने मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 20 जनवरी को जालना से मुंबई तक के लिए पदयात्रा शुरू की थी। 26 जनवरी को जरांगे और लाखों की संख्या में उनके समर्थक नवी मुंबई के वाशी पहुंचे। जरांगे ने मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल करने की चेतावनी दी थी। इस बीच महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों की टीम रात करीब 10 बजे वाशी पहुंची और जरांगे से मुलाकात की। उन्होंने एकनाथ शिंदे से जरांगे की फोन पर बातचीत कराई। इसके बाद जरांगे ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें कुछ जरूरी दस्तावेज सौंपे हैं। जरांगे ने बताया कि वे शनिवार को वाशी के शिवाजी चौक में सभा करेंगे। यहीं पर भ्रू शिंदे उनकी भूख हड़ताल खत्म कराएंगे। जरांगे राज्य के मराठाओं को कुनबी समाज में तत्काल शामिल कराने मांग कर रहे थे। इससे पूरी कम्युनिटी (अन्य पिछड़ा वर्ग) की श्रेणी में आ जाएगी और आरक्षण का लाभ ले सकेगी।

बैतूल का यह अजीबो-गरीब मेला, जहां बाल खींचकर और झाड़ू मारकर होता है मानसिक बीमारों का 'इलाज'

बैतूल । 400 साल से बैतूल के मलाजपुर में लग रहे गुरु साहब बाबा के मेले में मानसिक बीमारों का इलाज बाल खींचकर और झाड़ूमार कर होता है. गुरुवार को शुरू हुए मेले का उद्घाटन मंत्री नारायण सिंह पंवार ने किया और बोले कि इसे अंधविश्वास नहीं बोल सकते. यह आस्था का विषय है. बैतूल जिले के चिचोली बलॉक के मलाजपुर में स्थित गुरु साहब बाबा की समाधि पर पौष महीने की पूर्णिमा से मेला की शुरुआत होती है और एक महीने तक मेला चलता है. बताया जाता है कि पिछले 400 साल से भी ज्यादा समय से मेला लग रहा है. इस स्थान पर मेले के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए जाते हैं. उनके अलावा प्रेत बाधा से पीड़ित, निसंतान दंपत्ति और सर्पदंश से पीड़ित मरीज यहां आते हैं. मानसिक बीमार समाधि की परिक्रमा लगाने के बाद समाधि के सामने पहुंचते हैं और उनके शरीर में हलचल होने लगती है. यहां बैठे पुजारी महिला मरीजों के बाल खींचकर पूछते हैं कि कौन-सी बाधा है और उसके बाद गुरु साहब का जयकारा लगाते हैं. कई मरीजों को तो झाड़ू भी मारी जाती है. इसके बाद उन्हें चरणामृत और भभूत दी जाती है. मरीजों के परिजनों को लगता है कि उनका मरीज ठीक हो गया है इसलिए लोगों का यहां विश्वास बढ़ता जा रहा है. मानसिक बीमार मरीजों के इस तरह से इलाज को लेकर जानकर मानते हैं कि यह अंधविश्वास नहीं है, बल्कि गुरु साहब बाबा की महिमा है. जिसे आराम लगता है, उसे पूरा विश्वास हो जाता है. वहीं, दूसरी ओर चिकित्सा विज्ञान इसे पूरी तरह से अंधविश्वास मानती है.

एसीपी के बेटे की हत्या कर दोस्तों ने शव को नहर में फेंका, तलाश जारी

नई दिल्ली । बाहरी उत्तरी दिल्ली के स्पेशल स्टाफ में तैनात एसीपी के बेटे की 23 जनवरी को उसके दो दोस्तों ने हत्या कर दी थी। दोनों आरोपियों ने उसे हरियाणा की मुनक नहर में धक्का दे दिया था। शव अभी तक बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने अभिषेक नाम के एक आरोपी को नरेला से गिरफ्तार कर लिया है और विकास नाम के दूसरे आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। पुलिस ने धारा 302 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस की पूछताछ में लक्ष्य के एक दोस्त ने हत्या की बात स्वीकार की है। दिल्ली पुलिस में आउटर नॉर्थ जोन के तैनात एसीपी के बेटे की तलाश में बादली के समयपुर थाना पुलिस ने करनाल और पानीपत के पास नहर में तलाशी अभियान चलाया। बताया जा रहा है कि एसीपी का बेटा अपने दोस्तों के साथ 23 जनवरी को रोहतक शादी में गया था। वहां कहासुनी के बाद दोस्तों ने उसे गोली मार दी। इसके बाद उसे करनाल के मूनक के पास दिल्ली पैरलल नहर में फेंक दिया गया। जब युवक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने दिल्ली के बादली के समयपुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामले में दिल्ली पुलिस ने आरोपी दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपियों की निशानदेही पर दिल्ली पुलिस ने वीरवार को करनाल और पानीपत क्षेत्र में दिल्ली पैरलल नहर में सर्च अभियान चलाया। लगभग तीन घंटे चले अभियान के बाद भी फिलहाल युवक को कोई सुराग नहीं लगा है। दिल्ली के बादली क्षेत्र के महेंद्र पार्क निवासी यशपाल सिंह चौहान दिल्ली के आउटर नार्थ जोन में एसीपी हैं। उनका बेटा बेटा लक्ष्य चौहान-26 मंगलवार को अपने दोस्तों के साथ शादी समारोह में रोहतक गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने बुधवार को ही बादली के समयपुर पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान उसके एक दोस्त को हिरासत में लेकर पूछताछ की। बताया जा रहा है कि उसके दोस्त ने पुलिस पूछताछ में लक्ष्य चौहान की गोली मारकर हत्या करने की बात कबूली। इस पर पुलिस ने उसके तीन और दोस्तों को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लक्ष्य की हत्या कर शव को कार में रोहतक से करनाल के मूनक गांव में ले गए। यहां उन्होंने शव को पैरलल नहर में फेंक दिया। घटना की जांच के लिए वीरवार को दोपहर में दिल्ली पुलिस की टीम पानीपत पहुंची। यहां दिल्ली और पानीपत के गोताखोरों की मदद से सर्च अभियान चलाया गया गया। सर्च अभियान रिफाइनरी से लेकर असंध नाका तक चलाया गया, लेकिन देर शाम तक लक्ष्य का कोई सुराग नहीं लगा है। इस दौरान दिल्ली और पानीपत पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बचती रही। चार थानों के प्रभारियों ने मामले की जानकारी होने से किया इंकार इस हाई प्रोफाइल मामले में सभी थानों के प्रभारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं। पानीपत में रिफाइनरी से ढिंडार तक पांच पुलिस थाने लगते हैं। सभी थानों के प्रभारियों ने इस बारे में कोई भी जानकारी होने से इंकार किया है।

सावधान जाहिर सूचना

ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र खसरा न. 72 वा अन्य खसरो कृषि भूमि के सम्बन्ध मे।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गोकन्या हल्का शिवनगर रा.नि.मं. सिमरोल तहसील महू जिला इन्दोर म.प्र मे स्थित कृषि भूमि विजय पिता राम भरोसे तिवारी से छल कर फरेब से सोची समझी चाल चल कर जिसका खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो को लिख कर 8 विक्रय पत्रो के लिए कूटरचित भाषा लिख कर दस्तावेज तयार कर वा फर्जी चेको को दे कर जालसाजी और 420 से विक्रय पत्रों का पंजीयन करवाया गया है इन सभी के नाम इस प्रकार है सुमित प्रकाश पाटनी पिता मणिक चन्द पाटनी, अरुणा पाटनी पति सुमित प्रकाश पाटनी,अनिल कुमार पंवार पिता मोहन सिंह पंवार, राहुल जैन पिता राकेश जैन, आनंद कसेरा पिता लक्ष्मणदास कसेरा राकेश जैन पिता स्व.नवीन चन्द जैन,पार्वती जैन पति बक्षीराम जैन, पवन जैन पिता बक्षीराम जैन इन सभी के खिलाफ पुलिस में जांच चल रही है कोर्ट में केस पेंडिंग है अत- कृषि भूमि खसरा नंबर 72 वा अन्य खसरो का सौदा किया गया था जिसका भुगतान राशि चेको के माध्यम से की गई थी पर चैक अनादरण होने से सौदा 2018 में निरस्त किया जा चुका है जिसकी सूचना पेपर विग्यप्ति के माध्यम से पहले ही सूचना दी जा चुकी है अत- इन सभी विक्रय पत्रो के संदर्भ मे किसी भी व्यक्ति, संस्था या बैंक आदि से कर्ज हेतू प्राप्त करता है या इन रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रये करता है तो इस की जवाब देयी किसान भूमि मालिक की नही होगी अत : होने पर पुलिस कार्रवाई की जाएगी।

सिंगल कॉलम

एसडीएम ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निर्माण तोड़ने का आदेश दिया

इंदौर। धार जिले की सरदारपुर तहसील में एसडीएम रहे बोंदरसिंह कलेश पर मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने 25 हजार रुपये हर्जाना लगाया है। कलेश ने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर निर्माण तोड़ने का आदेश जारी किया था। अवैध निर्माण की शिकायत पर ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए उन्होंने मकान मालिक को सुनवाई का अवसर तक नहीं दिया। एक माह में ही सुनवाई पूरी कर निर्माण तोड़ने के आदेश ही नहीं दिए, बल्कि आदेश जारी होने के अगले ही दिन कार्रवाई भी कर दी।मामला धार जिले के राजगढ़ निवासी मनोज जैन का है। उन्होंने नगर पालिका से नक्शा स्वीकृत करवाकर अपने स्वामित्व के भूखंड पर निर्माण किया था। तत्कालीन एसडीएम कलेश ने अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर 17 दिसंबर 2021 को एक आदेश जारी कर निर्माण तोड़ने के आदेश दे दिए। अगले ही दिन 18 दिसंबर 2021 को याचिकाकर्ता के निर्माण का कुछ हिस्सा तोड़ दिया गया। जैन ने सिविल न्यायालय में वाद प्रस्तुत किया, जिसकी सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दे दिए। इस बीच जैन ने एसडीएम के आदेश को हाई कोर्ट में भी चुनौती देते हुए याचिका प्रस्तुत की। इसमें कहा कि एसडीएम को इस तरह निर्माण तोड़ने के आदेश देने का अधिकार ही नहीं है। जैन ने नगर पालिका से विधिवत नक्शा पास करवाकर निर्माण किया था। उन्हें सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया गया। हाई कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद तत्कालीन एसडीएम कलेश द्वारा 17 दिसंबर 2021 को जारी आदेश को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने माना कि उन्होंने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर आदेश जारी किया है। कोर्ट ने उन पर 25 हजार रुपये हर्जाना भी लगाया।

एंबुलेंस को लेकर संवेदनशीलता का संस्कार

इंदौर वालों की पहचान कभी ऐसी थी कि पता पूछने वालों को बताना तो ठीक उसके गंतव्य तक छोड़कर आते थे। यह मान्यता भले अतिरंजित लगे लेकिन सौजन्यता और संवेदनशीलता कुछ ऐसी ही थी। अब रोजमर्रा की भागदौड़ में ऐसा कर पाने का समय भी किसी के पास नहीं है। चौराहों पर होने वाली अराजकता से भी इस स्थिति को समझा जा सकता है। ऐसे में एंबुलेंस को रास्ता देने के संस्कार की बात भी बेमानी है। हर चौराहे पर ऐसे दृश्य आम हैं कि एंबुलेंस का हूटर बजता रहता है, कोई हिलने को तैयार नहीं रहता। शहर में बीआरटीएस पर एंबुलेंस चलाए जाने की छूट है। बीआरटीएस के एक छोर निरंजनपुर चौराहे पर स्टैंड के नजदीक बसें कतार में ऐसे खड़ी कर दी जाती हैं कि बाईं ओर से एंबुलेंस भी प्रवेश नहीं कर पाती। ऐसी स्थिति असंवेदनशीलता को बयां करने के लिए काफी है। आरटीओ की समस्याओं का अंत नहीं

इंदौर का जिला परिवहन कार्यालय कई पैमानों पर प्रदेश का सबसे बड़ा कार्यालय है। कई मामलों में यह उदाहरण भी बन सकता है लेकिन यह सामान्य समस्याओं से भी मुक्त नहीं है। यहां कभी रजिस्ट्रेशन कार्ड नहीं प्रिंट हो पाते तो कभी लाइसेंस। अब आरटीओ दफ्तर भी शहर से दूर है इसलिए चक्कर लगाना या फिर एजेंटों की शरण लेना ही विकल्प बचता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान आनलाइन सेवाओं को है। यदि एजेंटों के ही भरोसे काम होगा और समय से नहीं होगा तो आरटीओ की पुरानी छवि भी नहीं बदलेगी और जनता की परेशानी तो आम बात है ही। ऐसा भी नहीं है कि ये समस्याएं दूर करना कठिन है लेकिन अधिकारी न लीक बदलने को तैयार हैं, न व्यवस्थाएं दुरुस्त करने को। अब एजेंट तो यही चाहेंगे न कि जनता उनकी मदद ले और उनका काम चलता रहे। ऐसे में आनलाइन सेवाएं ढकोसला ही साबित होती हैं। ओपिनियन के लिए ही आ जाइए। अब ऐसे व्यावसायिक दृष्टिकोण में इलाज की गुणवत्ता और खर्च की व्यावहारिकता को सामान्य बुद्धि से भी समझा जा सकता है। खर्च को अलग रख भी दिया जाए तो संवेदनशीलता का भी मोल है। मानव जीवन में इससे बड़ा क्या है। जब व्यावसायिकता पोर-पोर में बसी है तो उनके नियमन में कोई बुराई भी नहीं है।

इंदौर में पत्नी-पत्नी में हाथापाई, दो पुलिसकर्मी भी पीटे

इंदौर। ज्वेलरी को लेकर पति-पत्नी में हाथापाई हो गई। पक्ष लेने आए दो पुलिसकर्मी भी पिट गए। कुछ देर बाद दोनों पक्ष थाने पहुंचे और हंगामा करने लगे। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। पुलिसकर्मियों को भी आरोपित बनाया गया है।टीआइ तारेश सोनी के मुताबिक महावर नगर निवासी रचना का पति प्रदीप बिल्लौरे से विवाद चल रहा है। रचना द्वारा दहेज प्रताड़ना का प्रकरण दर्ज करवा चुकी है जो कोर्ट में विचाराधीन है। रचना ने थाने में आवेदन देकर कहा कि उसकी ज्वेलरी संयुक्त लाकर में रखी है। गुरुवार को प्रदीप और रचना ने लाकर खोला तो ज्वेलरी नहीं मिली। आरोप है कि रचना ने प्रदीप पर ज्वेलरी चुराने का आरोप लगाया और विवाद शुरू हो गया। प्रदीप के भाई घनश्याम, चाचा अनोखीलाल सहित तेजकुमार, महेंद्र आदि ने रचना के साथ मारपीट कर दी। उधर, रचना के रिश्तेदार सुरेंद्र, अंकित, ऋषभ ने प्रदीप की पिटाई कर दी। घनश्याम आरक्षक हैं और आरएपीटीसी में पदस्थ हैं। अनोखीलाल एएसआइ हैं और पीटीसी में पदस्थ हैं। अनोखीलाल पुलिस की वर्दी में गए थे। रचना के स्वजन ने दोनों की भी पिटाई कर दी।

साठ दिन में बंद होने वाले परिवहन चेक पोस्ट पर पांच माह बाद भी नहीं हो सका अमल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। प्रदेश में परिवहन चेक पोस्ट को बंद करने का निर्णय ट्रांसपोर्टर्स और परिवहन मंत्री की बैठक में गत वर्ष अगस्त में हुआ था। इसमें तय किया गया था कि प्रदेश के सभी चेक पोस्ट को साठ दिन में बंद किया जाएगा, जबकि सात अस्थायी चेक पोस्ट और छह चेकिंग पाइंट को तुरंत बंद करने के आदेश दिए गए थे। पांच माह बाद भी अब तक प्रदेश की चेक पोस्ट को बंद करने के निर्णय पर अमल नहीं हो सका। ट्रांसपोर्टरों ने मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री को पत्र लिखकर पूर्व में हुए निर्णय से दोबारा अवगत कराया है। ट्रांसपोर्टरों का कहना है कि यदि जल्द निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।मध्य प्रदेश की सीमाओं पर संचालित होने वाली 47 परिवहन चेक पोस्ट को बंद करने का निर्णय 8 अगस्त 2022 को हुई बैठक में तत्कालीन परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत की मौजूदगी में हुआ था। प्रदेश में सभी परिवहन चेक पोस्ट को बंद कर गुजरात माडल लागू करने का निर्णय लिया गया था। साठ दिन में सभी चेक पोस्ट को बंद कर 14 दिसंबर तक गुजरात माडल लागू किया जाना था। इसके लिए जरूरी उपकरण जुटाने के लिए 60 दिन का समय लिया गया था। नई सरकार के गठन के बाद नहीं हुआ अमल विधानसभा चुनाव से पहले परिवहन विभाग और ट्रांसपोर्टरों की बैठक में परिवहन चौकियों को बंद करने का निर्णय हुआ था। अब चुनाव के बाद नई सरकार का गठन होने के बाद इसपर अमल नहीं हो रहा है। इसको लेकर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह को पत्र लिखा है। कागजों में बंद अस्थायी चेक पोस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना है कि परिवहन विभाग ने अगस्त 2022 में सात अस्थायी चेक पोस्ट और छह चेक पाइंट को बंद करने का आदेश दिया था। कागजों में तो आदेश हो गए, लेकिन हकीकत में सभी अस्थायी चेक पोस्ट संचालित हो रहे हैं। प्राणपुर, बिलौआ, नहर, समरसा, कराहल, रानीगंज तिगेला, राजना पर सभी अस्थायी चेक पोस्ट संचालित हो रहे हैं।

पांच दिन बाद रात का तापमान बढ़ा, कम होगा ठंड का असर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। पूर्वी दिशा से हवा चलने से मौसम बदलने लगा है। पिछले पांच दिन से न्यूनतम तापमान दस डिग्री से नीचे बना रहा, जो अब बढ़ रहा है। सर्द हवाओं से रात में ठंड बढ़ गई है, जिससे ठिठुरन का अहसास हो रहा है।कम महसूस होगी ठंड कोहरा और धुंध छाई रहने से सुबह साढ़े पांच बजे दृश्यता 3000 मीटर तक पहुंच गई है। शनिवार सुबह आसमान साफ रहने से धूप निकली। अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से दो डिग्री कम रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार 6 किमी प्रतिघंटे चली। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार बाद पश्चिम विक्षोभ बन रहा है। इससे तापमान बढ़ने लगा है। अब ठंड कम महसूस होगी।

स्कूटर चालक परेशान, बुक नहीं हो रही एचएसआरपी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। 1984 में लांच हुए काइनेटिक होंडा स्कूटर की कंपनी और शोरूम शहर में बंद हो चुके हैं, लेकिन सैकड़ों स्कूटर शहर की सड़कों पर अभी भी दौड़ रहे हैं। इन स्कूटरों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) लगाने के लिए लोग परेशान हो रहे हैं। वाहन पोर्टल पर आनलाइन नंबर प्लेट बुकिंग करने पर कंपनी का नाम तो दिखाई दे रहा है, लेकिन प्लेट लगाने के लिए विभाग ने डीलर ही अधिकृत नहीं किया गया। इस वजह से नंबर प्लेट नहीं लग पा रही।परिवहन विभाग ने सभी वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य किया है। वाहन पर एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं होने पर वाहन चालक से जुर्माना वसूलने का प्राविधान किया गया है। ऐसे में वाहन स्वामी एसएचआरपी की बड़ी संख्या में बुकिंग करवा रहे हैं। परिवहन विभाग ने नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य तो कर दिया, लेकिन बंद हो चुके वाहन निर्माता कंपनियों के वाहनों में नंबर प्लेट लगाने के लिए डीलर ही नियुक्त नहीं किया। काइनेटिक होंडा स्कूटर के मामले में भी ऐसा ही हो रहा है। काइनेटिक होंडा एमपी 09 वाय 8085 के वाहन स्वामी विजय चौधरी का कहना है कि आनलाइन साइड पर वाहन की नंबर प्लेट की बुकिंग नहीं हो रही है। शहर में शोरूम भी नहीं है, जहां पर जाकर नंबर प्लेट लगा सके। पुरानी शेवरले कंपनी की कार का शहर में कोई डीलर नहीं है, लेकिन इसके बाद भी नंबर प्लेट घर आकर कार में लगाकर चले गए। विभाग को किए कई मेल विजय चौधरी का कहना है कि काइनेटिक होंडा की एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं बनने पर वाहन पोर्टल की साइड पर दिए गए कस्टमर केयर पर काल किया। यहां से भी कोई मदद नहीं मिली। कस्टमर केयर वालों ने स्थानीय आरटीओ को शिकायत करने की बात कही। यहां कोई सुनवाई नहीं हो रही।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने स्कूली बच्चों के साथ किया भोजन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर जिले में गणतंत्र दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन के तहत आलू-छोला, पूरी, खीर, लड्डू आदि परोसा गया। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय आज गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के पश्चात मूसाखेड़ी स्थित शासकीय सीएम राइज स्कूल पहुंचे। यहां उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ बैठकर भोजन भी किया। कैलाश विजयवर्गीय ने बच्चों को स्कूली बैग, कापियां आदि भी वितरित की।इस अवसर पर विधायक महेन्द्र हार्डिया, कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त हर्षिका सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन सहित जिले के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण और जनप्रतिनिधि तथा स्कूली बच्चे मौजूद थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजयवर्गीय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा शैक्षणिक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में शैक्षणिक सुधार की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रधानमंत्री के संकल्पों को पूरा करने के लिए कारगर प्रयास किए जा रहे हैं। विजयवर्गीय ने बच्चों से कहा कि वे शिक्षा के साथ संस्कार भी प्राप्त करें। बड़े बुजुर्गों, माता-पिता तथा गुरूजनों का सम्मान करें। वे पढ़े-लिखें तथा जीवन में आगे बढ़ें।

संविधान में क्या था पता नहीं पर इंदौर में उत्साह चरम पर था

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। हमारा भारतवर्ष आज अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। इन 75 वर्षों की यात्रा से तो आप भलीभांति परिचित हैं, किंतु प्रथम गणतंत्र दिवस कैसा था, इसे लेकर नईदुनिया ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से बात की। यादों में डूबते हुए उन्होंने बताया कि अंग्रेजों से स्वतंत्र होने के करीब ढाई साल बाद 26 जनवरी 1950 को भारत को अपना संविधान मिला था। इंदौर उस दिन उत्साह में डूबा हुआ था।प्रभात फेरी निकालकर संविधान के प्रति करते थे जागरूक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नरेन्द्र सिंह तोमर की उम्र अब 101 वर्ष है। वर्ष 1972 में उन्हें सरकार ने ताम्रपत्र देकर सम्मानित किया था। नरेन्द्र सिंह तोमर बताते हैं- जिस दिन संविधान लागू हुआ, उस दिन देश में खुशी की लहर थी और प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को अंग्रेजों से वास्तविक स्वरूप में मुक्त महसूस कर रहा था। मुझे याद है प्रथम गणतंत्र दिवस पर पूरे इंदौर में खूब मिठाइयां बंटी थीं। आजादी की लड़ाई लड़ने वाली संस्था प्रजातंत्र ने प्रभात फेरी निकालकर लोगों को संविधान के बारे में जागरूक किया था। लोगों में उत्सुकता थी कि अब क्या कानूनी है और क्या गैर कानूनी। समाज के प्रबुद्ध लोग तब रोज शाम को चौक-चौराहों पर बैठक लगाते और संविधान पर चर्चा करते। उस दिन के बाद देश बदलता चला गया इंदौर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बसंती लाल पांडे का जन्म 1920 में हुआ था। वे अब भी अच्छी तरह बोल-सुन पाते हैं। इन्होंने बताया कि 26 जनवरी 1950 को संविधान तो लागू हो गया था, लेकिन किसी को जानकारी नहीं थी कि उसमें है क्या। फिर भी इंदौरियों ने धूमधाम से उत्सव मनाया था। हम सब स्वयं को उन्मुक्त पंछी जैसा पा रहे थे। लोगों ने मिलकर खजूरी गांव (अब खजूरी बाजार), मल्हारगंज, रानीपुरा में जुलूस निकालकर खूब मिठाइयां बांटी थीं।

अयोध्या के लिए पहले से चल रही ट्रेन में मई तक की बुकिंग फुल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद देशभर से हजारों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। पश्चिम रेलवे 10 फरवरी से इंदौर से अयोध्या के लिए आस्था स्पेशल ट्रेन चलाएगा, जो 23 घंटे का सफर तय कर पहुंचेगी। हालांकि इंदौर से अयोध्या के लिए पहले से ट्रेन संचालित की जा रही है। यह ट्रेन महज 17 घंटों में अयोध्या पहुंचा देती है। इस ट्रेन में मई तक बुकिंग फुल हो चुकी है।प्रति शनिवार इंदौर से पटना के लिए ट्रेन 19321 जाती है, जो दोपहर 1.55 बजे चलकर अगले दिन सुबह 7.45 बजे अयोध्या कैंट पहुंचती है। यहां से मंदिर महज 10 किमी दूर है। 17 घंटों में सफर पूरा करने वाली इस ट्रेन में स्लीपर क्लास से लेकर फर्स्ट एसी के कोच हैं। यह ट्रेन बीना, झांसी, कानपुर, लखनऊ होकर अयोध्या कैंट पहुंचती है। इस ट्रेन में 18 मई तक सभी श्रेणी के कोच में बुकिंग फुल हो चुकी है। रतलाम मंडल के पीआरओ खेमराज मीणा ने बताया कि यह ट्रेन सप्ताह में एक बार ही संचालित होती है। वहीं आस्था स्पेशल ट्रेन इंदौर से 10, 17 और 24 फरवरी को दोपहर 1 बजे चलेगी जो रतलाम, उज्जैन, बीना, झांसी, लखनऊ होते हुए अगले दिन दोपहर में 12.10 बजे अयोध्या धाम पहुंचेगी। इसका सफर 23 घंटे 10 मिनट का होगा। दरअसल इस ट्रेन को इंदौर से रतलाम होकर उज्जैन की ओर रवाना किया जाएगा। आइआरसीटीसी के अनुसार इंदौर-पटना (19321) एक्सप्रेस ट्रेन में लंबी वेटिंग है। राम मंदिर बनने से पहले तक इस ट्रेन में महीनेभर बाद ही तारीखों में सीट आराम से मिल जाती थी, लेकिन अब 18 मई तक भर चुकी है।

आज से तीन दिन जत्रा महोत्सव में महाराष्ट्र के व्यंजनों का स्वाद लीजिए

सिटी चीफ इंदौर।

जनवरी माह के यह चंद अंतिम दिन काफी खास होने वाले हैं। इसकी शुरुआत शुक्रवार को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम के साथ होगी। इसके बाद मराठी स्वाद और संस्कृति का जत्रा महोत्सव होगा, 27 जनवरी से दो दिवसीय कला प्रदर्शनी, पद्मविभूषण पंडित जसराज को समर्पित दो दिवसीय संगीत महोत्सव जैसे आयोजन होंगे।दशहरा मैदान शुक्रवार से संस्था तरुण मंच, हीरक जयंती रहवासी संघ, महाराष्ट्र समाज राजेंद्र नगर समेत 20 से भी अधिक सामाजिक संस्थाओं द्वारा संयुक्त रूप से मराठी व्यंजनों और संस्कृति की तरुण जत्रा का शुभारंभ होगा। मेले में पूरण पोली, चिरोटे, करंजी जैसे मीठे व्यंजन के साथ सांभर बड़ी, कोथिमबीर बड़ी, दूध बड़ी, थालीपीठ जैसे करीब 50 नमकीन व्यंजनों का स्वाद मिलेगा। 26 जनवरी को विभिन्न समूहों के 300 से भी अधिक बाल कलाकारों द्वारा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां होंगी। 27 और 28 जनवरी को मुंबई के प्रथम कला मंच के 16 से भी अधिक कलाकार महाराष्ट्र के लोकनृत्यों के साथ ही लावणी नृत्य की प्रस्तुतियां देंगे। संगीत का कार्यक्रम = 26 जनवरी को जाल सभागृह में संस्था अग्रवंश, स्टार फैन क्लब और अभिरुचि द्वारा संगीत का सुरीला आयोजन होगा। इसमें गायक देशभक्ति से ओतप्रोत गानों की प्रस्तुति देंगे। गायकों में मनीष शुक्ला, रोहित ओझा, सुनयना ठाकुर, अमृता तिवारी, संतोष कुंडे, सोनू तिवारी और एकता अग्रवाल मेलोडियस नगमें प्रस्तुत करेंगे। कला प्रदर्शनी = क्रिएट स्टोरीज सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा स्कीम नंबर 74 में 27 जनवरी से दो दिवसीय कला प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें इंदौर के अलावा 50 कलाकारों की 106 कलाकृतियां प्रदर्शित होंगी। इसमें आयल पेंटिंग, एक्रेलिक, वाटर कलर, डाट पेंटिंग, मंडला आर्ट, गौंड आर्ट, पेंसिल स्केच, कलर पेंसिल वर्क, बाटल आर्ट, क्ले वर्क, बेस्ट फ्राम वेस्ट, मधुबनी समेत कई प्रकार की कलाकृतियां रहेंगी। नीतीश भारद्वाज प्रस्तुत करेंगे कथन संगीत गुरुकुल द्वारा पद्मविभूषण पंडित जसराज के जन्मदिन के उपलक्ष्य पर 27 जनवरी को दो दिवसीय नौवां म्यूजिक फेस्टिवल आयोजित किया जाएगा। 27 जनवरी को पद्मश्री विजय घाटे द्वारा परिकल्पित ताल चक्र होगा। इसमें वरिष्ठ गायक पंडित राम देशपांडे, गांधार देशपांडे, शीतल कोलवलकर, विजय घाटे प्रस्तुति देंगे। 28 जनवरी को पंडित जसराज के पौत्र पंडित रत्तन मोहन शर्मा के पुत्र व शिष्य स्वर शर्मा शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगे। वहीं श्री कृष्णलीलामृतम में महाभारत में कृष्ण की भूमिका निभा चुके जाने माने अभिनेता नीतीश भारद्वाज कृष्ण पर कथन प्रस्तुत करेंगे। पंडित जसराज के शिष्य गौतम काले कृष्ण भजन प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में डाक विभाग के सहयोग से संगीत पर निकाले गए डाक टिकिट की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

हाकी में मध्यप्रदेश की बालक और बालिका वर्ग की टीमे फाइनल में

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2023 तमिलनाडु में आयोजित हो रही है। मध्यप्रदेश का जोरदार प्रदर्शन जारी है, मप्र ने बालक व बालिका दोनों वर्गो के फाइनल प्रवेश किया।बालक वर्ग में मध्यप्रदेश और हरियाणा टीम के मध्य खेले गये रोमांचक सेमीफायनल मैच में दोनो टीम 2-2 गोल कर बराबरी पर रही। मध्यप्रदेश टीम से पहला गोल मो. जमीर और दूसरा गोल मो. कौनेन दाद ने कर टीम को बराबरी पर ला दिया। शूटआउट में मप्र ने 4-3 से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। शूट ऑउट मैच में मध्यप्रदेश के हर्ष फलसवार,

रितेन्द्र प्रताप सिंह, अलमाज खान और अली अहमद ने शानदार गोल किए। प्रतियागिता का फायनल मुकाबल शनिवार को शाम को मध्यप्रदेश और ओडिशा के मध्य खेला जाएगा। बालिका वर्ग में मध्यप्रदेश और ओडशिा मध्य सेमीफायनल मुकाबला गया। मप्र ने यह मुकाबला बहुत ही आसानी से 3-1 से हराकर जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। मप्र के लिए मुकबले के 19वें मिनिट में भूमिक्षा साहू ने बेहतर खेल प्रदर्शन कर पहला गोल दागा। 23वें मिनिट में सोनिया कुमरे ने दूसरा गोल और 28वें मिनिट में सोनम में तीसरा गोल दागा। उड़ीसा की ओर से 38वें मिनिट में तनुजा एक गोल करने में सफल रही। अब मप्र का फाइनल में मुकाबला हरियाणा होगा। खेलमंत्री विश्वास कैलाश सारंग, अपर प्रमुख सचिव, खेल स्मिता भारद्वाज, संचालक खेल रवि कुमार गुप्ता और सचिव खेल पी.नरहरि ने प्रसन्नता व्यक्त कर बधाई दी है।

बाल संप्रेक्षण गृह से फरार आरोपितों का नहीं सुराग, गवाहों की सुरक्षा बढ़ाई

सिटी चीफ भोपाल।

संप्रेक्षण गृह से भागे हुए छह बाल अपचारियों का अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है। हालांकि पुलिस ने अपचारियों की तलाश में कई जगहों पर दबिश दी है। हालांकि पुलिस कह रही है कि फरार बाल अपचारियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। भागे हुए बाल अपचारियों में तीन अपचारी बेटी बचाओ चौराहे पर हुई 16 वर्षीय छात्रा अक्षया यादव सनसनीखेज हत्या में नामजद हैं।इस तरह भागे थे बाल अपचारी दरअसल, पूरा मामला गुरुवार की बह का है जब बाल संप्रेक्षण गृह में बाल अपचारियों को नहाने के लिए गरम पानी दिया जा रहा था। इसी दौरान गरम पानी काम करने वालों को गिराकर भाग निकले। पहले तो स्टाफ ने ही बाहर ढूंढा, जब नहीं मिले तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। इस घटना के बाद पूरे शहर में नाकाबंदी कर दी गई, क्योंकि इसमें नामजद तीन आरोपित सनसनीखेज मामलों में नामजद हैं। ऐसा बताया जा रहा है- जिस तरह यह लोग भागे हैं, उससे स्पष्ट है- पूरी प्लानिंग के साथ फरार हुए हैं। यह सभी बाल अपचारी साथ में ही रहते थे। अब बाल संप्रेक्षण गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े हो दरअसल, पूरा मामला गुरुवार की बह का है रहे हैं। इस घटना के बाद एसएसपी राजेश सिंह चंदेल ने तीन थानों की फोर्स बाल अपचारियों की तलाश में लगाई है। गवाहों के घर की सुरक्षा बढ़ाई बाल अपचारियों के भागने के बाद गवाहों की सुरक्षा को पुलिस ने बढ़ा दिया है। जिस छात्रा की हत्या हुई थी वह पूर्व डीजीपी सुरेन्द्र सिंह यादव की नातिन थी। उसकी हत्या का आरोप सुमित रावत नाम के बदमाश और उसके साथियों पर है। घटनाक्रम के मुताबिक मृतका सहेली सोनाली शर्मा के साथ स्कूटी से कोचिंग से लौट रही थी। तभी सुमित अक्षया की सहेली सोनाक्षी शर्मा पर हमला करने बेटी बचाओं चौराह पर पहुंचा था। बदमाश ने सोनाक्षी को टारगेट कर गोली चलाई थी, लेकिन गोली अक्षया को लग गई थी। इसके बाद पुलिस ने एक आरोपी को जेल भेजने के साथ नाबालिग आरोपितों को बाल सुधार गृह भेजा था। यही से 6 नाबालिग आरोपी भाग गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने हत्याकांड के गवाओं के घर पर सुरक्षा बढ़ा दी है। आरोपित कर रहे थे मोबाइल का इस्तेमाल बताया जाता है कि गवाह को बयान बदलने के लिए धमकाया भी जा रहा था। गवाह के स्वजनों का आरोप है बाल संप्रेक्षण गृह के अंदर से यह लोग फोन का भी इस्तेमाल कर रहे थे, फिर भी लापरवाही बरती गई। इस मामले में लापरवाही बरतने वालों पर बड़ी कार्रवाई करने के निर्देश अफसरों ने दिए है।

जॉब के बदले सेक्स की डिमांड करने वाले बीज निगम के कर्मचारी को कोर्ट से जमानत

सिटी चीफ भोपाल।

ग्वालियर-सप्तम अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने जॉब के बदले महिला अभ्यर्थियों से सेक्स की डिमांड करने के मामले में आरोपी संजीव तंतुवाय को सशर्त जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। आरोपित संजीव कुमार को पुलिस थाना अपराध शाखा ने इस मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।मध्यप्रदेश राज्य बीज एवं विकास निगम में तकनीकी अमले में पदों की पूर्ति के लिए संविदा पर नियुक्ति के लिए राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट सेल में इंटर्व्यू होना थे। जिसमें विश्वविद्यालय की पास आउट छात्राएं शामिल हुई। इंटर्व्यू पैनल के अधिकारियों द्वारा जारी लिस्ट के अनुसार सभी का इंटरव्यू लिया गया। इंटरव्यू के बाद फरियादिया को कॉल एवं व्हाट्सएप मैसेज आने लगे, मैसेज करने वाले का नाम संजीव कुमार तंतुवाय था। कॉल कर उसने बताया कि आज उसने उसका इंटरव्यू लिया है। मैं आपका सिलेक्शन करवा सकता हूं, लेकिन इसके लिए आरोपित ने सेक्स की डिमांड की। एक घंटे में जवाब देने को कहा, आरोपी ने फरियादिया के अलावा दो और छात्राओं से भी इसी तरह की डिमांड की थी। फरियादी छात्रा की शिकायत पर आरोपी संजीव तंतुवाय के खिलाफ भादसं की धारा 354 क, 417, 420, 384, 387 भादसं तथा आईटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। आरोपी का कहना था कि उसे झूठा फंसाया गया है। न्यायालय ने प्रकरण के तथ्यों को देखते हुए आरोपी को जमानत पर रिहा करने के निर्देश दिए।

पुण्यतिथि पर राजमाता को श्रद्धासुमन अर्पित किये स्व. राजमाता विजयाराजे सिंधिया की 23वीं पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा जिला ग्वालियर महानगर द्वारा छत्री स्थित स्व. राजमाता सिंधिया की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पुष्पांजलि अर्पित करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष अभय चौधरी, सांसद विवेक नारायण शेजवलकर, पूर्व मंत्री माया सिंह, ध्यानेंद्र सिंह, मुन्नालाल गोयल, कमल माखीजानी, विनय जैन, राजू पलैया, सुरेंद्र शर्मा सरपंच, अनुराग बंसल, रामेश्वर भदौरिया, सुरेंद्र सिंह परमार चच्चू, महेंद्र सोलंकी, समीक्षा गुप्ता, नीलिमा शिंदे, सुघर सिंह पवैया, सतेंन्द्र शर्मा, शअजीत बरैया, हरिश मेवाफरोश सहित काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

बस संचालक को लगाई 50 लाख की चपत, हड़प ली दो बसें

सिटी चीफ भोपाल।

मुनीम और मालिक ने मिलकर एक बस संचालक को पचास लाख की चपत लगा दी और दो बसें भी हड़प लीं। घटना सिरोल थाना क्षेत्र के कॉस्मो वैली की है। घटना का पता उस समय चला जब आरोपियों ने किराया देना बंद कर दिया। किराया बंद होने के बाद पीड़ित ने बसों ली जानकारी की तो पता चला कि आरोपियों ने दोनों बसें गायब कर दी हैं। धोखाधड़ी का शिकार पीड़ित थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत की जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सिरोल थाना क्षेत्र के कॉस्मो वैली निवासी जतिन पुत्र अशोक अरोरा बस संचालक है और उनकी दिल्ली, इंदौर, चित्रकूट और छतरपुर के साथ ही अन्य शहरों में बसें चलती हैं। काम की अधिकता होने पर उन्होंने अपनी दो बसें मामा की मदद से छतरपुर निवासी उमेश चंद्र अग्रवाल को डेढ़ लाख रुपए प्रति माह पर वर्ष 2017 में दी थीं। बसों की देखरेख के लिए उमेश चंद्र ने अपने मुनीम प्रमोद खरे को जिम्मेदारी दी थी।मुनीम के नाम कराया था मुख्तियार नामा बसों के संचालन में किसी प्रकार की कठिनाई ना आए, इसके लिए उमेश चंद्र ने अपने मुनीम प्रमोद खरे के नाम मुख्तियार नामा कराया था। साथ ही बसों के एमपी 07 एससी 7007 व एमपी 07 एफ 7007 के मूल दस्तावेज भी अपने पास रख लिए थे। किराया रमेश चंद्र अग्रवाल से उसके मामा लेते थे और वह किराया उस तक पहुंचाते थे। वर्ष 2020 में उनके मामा का देहांत होने पर रमेश चंद्र ने कोविड लगने पर बसें ना चलने की कहकर किराया रोक दिया था, इसके बाद जब हालात सामान्य हुए तो वह उन्हें टहलाते रहे। काफी समय निकलने पर वह प्रमोद खरे के पास पहुंचे तो उसने बताया कि बसें तो उमेश चंद्र अग्रवाल ने खरीद ली हैं। जब भी गए छतरपुर, मिली धमकी इसके बाद भी बसों को वापस लाने के लिए वह कई बार छतरपुर गए थे, लेकिन हर बार उन्हें आरोपी भगा देते थे। बसों की तलाश के लिए उन्होंने काफी तलाश की, लेकिन बसों का कोई पता नहीं चला। परेशान होने के बाद वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

474 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा सैटेलाइट परिसर

दो साल में पूरा होगा काम, जानें खासियत

सिटी चीफ भोपाल।

उज्जैन। उज्जैन में बनने वाले सैटेलाइट परिसर की लागत 474 करोड़ रुपये होगी और यह डेढ़ से दो साल में पूरा भी हो जाएगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। वहीं परिसर को लेकर उन्होंने आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी से मुलाकात की। उन्होंने सीएम यादव को सैटेलाइट परिसर के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। सैटेलाइट परिसर को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा कि उज्जैन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने भेंट कर उज्जैन में प्रस्तावित सैटेलाइट परिसर के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। प्रस्तुतीकरण में जानकारी दी गई कि इस केंद्र की लागत 474 करोड़ होगी। आने वाले डेढ़ से दो वर्ष की अवधि में यह कार्य पूर्ण होगा।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आज उज्जैन में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने भेंट कर उज्जैन में प्रस्तावित सैटेलाइट परिसर के संबंध में प्रस्तुतीकरण दिया। ये होगी खासियत सैटेलाइट परिसर में डीप टेक रिसर्च एंड लैबोरेटरी डिस्कवरी सेंटर, लैब टू मार्केट सेंटर और एस्ट्रोनॉमी एंड स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विविध गतिविधियां होंगी। इसका व्यापक लाभ विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और आमजन को मिलेगा। मिल चुकी है सैद्धांतिक सहमति बता दे कि उज्जैन के सैटेलाइट परिसर को सैद्धांतिक सहमति मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसको लेकर केंद्रीय शिक्षा व कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की थी और शिक्षा और कौशल विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इंदौर द्वारा उज्जैन में सैटेलाइट परिसर स्थापित करने की परियोजना तैयार कर वर्ष 2023 में शिक्षा मंत्रालय को स्वीकृति के लिए भेजी गई थी।

मध्यप्रदेश के तीन शहर बनेंगे सोलर सिटी, भोपाल में स्थापित होगी 1100 मेगावाट सोलर एनर्जी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के तीन शहरों को सोलर सिटी बनाने की तैयारी की जा रही है। इसमें सबसे पहले राजधानी भोपाल का नंबर है जहां 1100 मेगावाट सोलर एनर्जी स्थापित की जाएगी। इसके बाद इंदौर और उज्जैन में सोलर एनर्जी का काम शुरू किया जाएगा। दरअसल भोपाल में कार्बन उर्त्सजन नियंत्रित करके क्लीन केपीटल के साथ ही ग्रीन कैपीटल बनाने के लिए सोलर सिटी बनाने की योजना तैयार की गई है।इसकी शुरुआत के आगामी दो माह में घरों और विभिन्न स्थलों पर सोलर पैनल लगाकर की जाएगी। बता दें कि भोपाल में 1100 मेगावाट सोलर एनर्जी के इस्तेमाल से यह क्षमता 285 लाख पेड़ों के बराकर कार्बन उत्सर्जन सोखने की होगी।भोपाल को सोलर सिटी बनाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए शीघ्र ही वातावरण निर्माण करने के लिए सभी 21 जोन में जागरूकता अभियान चलाकर नागरिकों को अपने आवास की छतों सहित अन्य स्कूल कालेज और शासकीय कार्यालयों आदि में सोलर पैनल लगवाने का अभियान चलाया जाएगा । तय किया गया है कि भोपाल में 1100 मेगावाट सोलर एनर्जी के लक्ष्य को क्रमबद्ध तरीके से प्राप्त किया जाएगा और आगामी दो माह में लगभग 25 हजार स्थानों पर सोलर पैनल लगाने के प्रयास किए जाएंगे । भोपाल में वर्तमान में 2000 मेगावाट विद्युत की खपत होती है । एक से तीन किलोवाट के घरेलू सोलर पैनल के लिए अनुदान एक से तीन किलोवाट के घरेलू सोलर पैनल के लिए अनुदान भी दिया जाएगा। रहवासी संघों के बीच विशेष अभियान चलाकर प्रतिस्पर्धा जागृत करने और इससे होने वाले फायदों की भी जानकारी दी ।नगर निगम एक सुसंगत कार्य योजना के साथ भोपाल को सोलर सिटी बनाने की तैयारी में जुट गया है। सोलर यूनिट लगाने की लागत पांच साल में वसूल हो जाती है और अगले 20 साल तक मुफ्त बिजली मिल जाती है । भोपाल को ग्रीन बनाने के लिए ई वाहन, उद्योग में ग्रीन एनर्जी, वाटरबाडी में सोलर एनर्जी, पांच स्टार रेटिंग के विद्युत उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ ही वृक्षारोपण पर भी जोर दिया गया है।

तीन दिन की छुट्टियां,मेले में रहेगी रौनक

सिटी चीफ भोपाल।

ग्वालियर व्यापार मेले में 26 जनवरी की छुट्टी का लुत्फ उठाने के लिए शुक्रवार को आज बड़ी संख्या में सैलानी मेला पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को दोपहर होते-होते मेले के सभी सेक्टर सैलानियों की भीड़ से ठसाठस भर गए। कहीं सैलानी पापड़ खाते तो कहीं सॉफ्टी कालुत्फ उठाते नजर आए। शुक्रवार की सुबह कोहरे भरी थी, लेकिन धीरे-धीरे धूप खिलनेझूला झूलने के लिए करना पड़ा इंतजार दोपहर होते-होते मेला में सैलानियों की भीड़ बढ़ना शुरू हुई वैसे-वैसे कारोबारियों के चेहरे दमकने लगे। शीतलहर से राहत मिलने के कारण सैलानी मेला का गेट खुलते ही पहुंचना शुरु हो गए। खास बात ये रही कि आज जिन सेक्टरों में अभी तक भीड़ नहीं पहुंच रही थी उनमें भी सैलानियों की भीड़ पहुंची। सैलानियों ने प्रदर्शनी सेक्टर पहुंचकर प्रदर्शनियों का अवलोकन कर जानकारी ली। वहीं इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में भी जमकर खरीदारी हुई। साथ ही सैलानियों ने सॉफ्टी, भुट्टा, आइसक्रीम का भरपूर आनंद लिया। इनके स्टॉलों के साथ झूला सेक्टर में भी सबसे ज्यादा भीड़ दिखाई दी। झूलों पर सैलानियों की कतारें लगी रहीं एवं अपने पसंद के झूलों को झूलने के लिए सैलानियों को भीड़ के कारण घंटों इंतजार करना पड़ा। कोई खरीद रहा इलेक्ट्रॉनिक आइटम तो कोई कपड़े मेले का शुभारंभ के बाद आज शुक्रवार को मेले में सबसे ज्यादा भीड़ दिखाई दे रही है। मेला फुल हो चुका है। जो लोग अभी तक दुकानों पर भाव-ताव कर रहे थे वो अब खरीदारी करते दिखाई दे रहे हैं। विवाह मुहूर्त होने से बड़ी संख्या में बाहर के सैलानी भी इन दिनों ग्वालियर आए हुए हैं। कारोबारियों ने बताया कि मेले में आज शुक्रवार को खूब बिक्री हो रही है। सैलानियों की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा आज ज्यादा है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में वाहन शोरूमों पर जमकर खरदारी हो रही है। बसंत पंचमी के शुभ मुहूर्त के लिए बड़ी संख्या में वाहनों की बुकिंग हो रही है।

भोपाल में बना रहेगा ठंड का असर, सुबह देर तक रहा कोहरा

सिटी चीफ भोपाल।

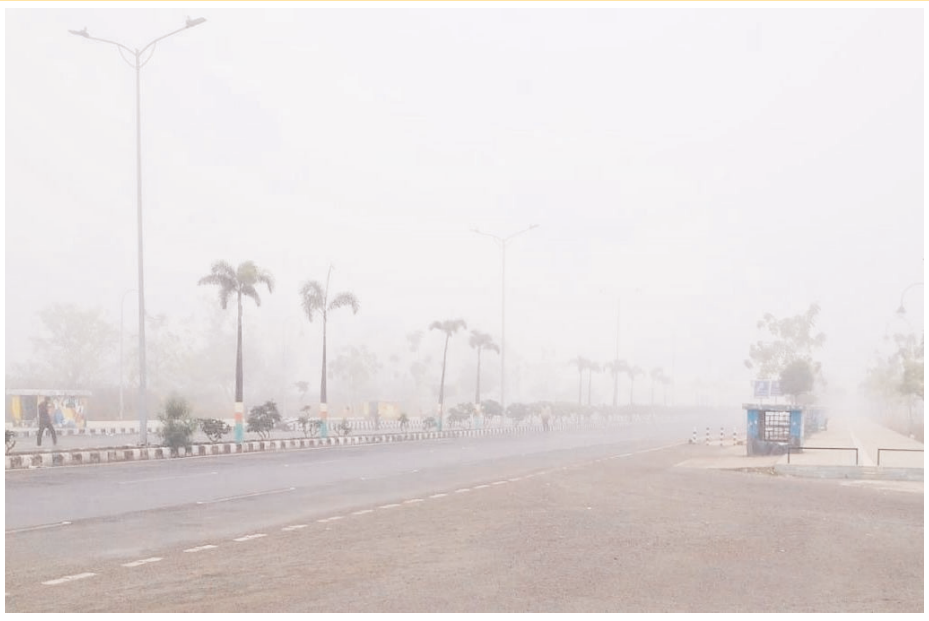

भोपाल। भोपाल में सुबह कोहरा बहुत देर तक रहा। शहर की तुलना में ग्रामीण इलाकों में कोहरा अधिक था। हालांकि ग्वालियर का न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री रहा। साथ ही दिन का अधिकतम तापमान 25.4 डिग्री सेल्सियस पर रहने का अनुमान मौसम विभाग ने बताया है। साथ धूप निकलेगी। इससे ठंड से कुछ राहत रहेगी और ठंडी हवाएं चलती रहेंगी। आगामी दिनों में भी सुबह के समय कोहरा व दिन में धूप निकलेगी। साथ ही तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक तापमान में बढ़ोत्तरी रहेगी। लेकिन न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को सक्रिय हुए एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शहर में उत्तरी हवाएं चलना थम गईं। हालांकि देर रात से लेकर सुबह तक शहर कोहरे की चादर में लिपटा रहा।मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से वातावरण में मौजूद जेट स्ट्रीम का प्रभाव कम हो गया है। इससे ठंडक में राहत रहेगी। हालांकि इस दौरान मध्यम से घना कोहरा छा सकता है। हालांकि हवाओं का रुख उत्तर के बजाय दक्षिण-पूर्वी हो जाने से शीतलहर का प्रकोप थम गया है, लेकिन फिर भी ठंडक का अहसास हुआ। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार शुक्रवार की तुलना में शनिवार को अधिकतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में एक नया पश्चिमी विक्षोभ पहुंच गया है। इसके प्रभाव से राजस्थान के पूर्वी भाग में एक चक्रवात बन गया है। इस कारण दक्षिण-पूर्व से आ रहीं हवाओं के साथ नमी आना शुरू हो गई है। इसी कारण बादल छाने लगे हैं। आगामी 27 जनवरी को एक और पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर में पहुंचने की संभावना है। इसके चलते जनवरी के अंतिम दिनों में भोपाल संभाग में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से न्यूनतम तापमान में वृद्धि होगी और शीतलहर से राहत बनी रहेगी। हालांकि इस दौरान देर रात और सुबह के समय कोहरा छाया रह सकता है।

उज्जैन में दोहरा हत्या कांड

लूट के बाद भाजपा कार्यकर्ता और पत्नी की हत्या

सिटी चीफ भोपाल।

उज्जैन। उज्जैन के नरवर थाना क्षेत्र में दोहरे हत्याकांड का मामला सामने आया है। जहां लूट के बाद भाजपा कार्यकर्ता और उसकी पत्नी की हत्या कर दी गई।

मृतक का नाम रामनिवास कुमावत बताया गया है। फिलहाल पुलिस मौके पर मौजूद है।

संपादकीय

राम लहर के सहारे मोदी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ सकेंगे?

अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के भव्य समारोह, करोड़ों हिंदुओं की इससे जुड़ी आस्था और इस महा आयोजन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर केन्द्रित फोकस के बाद राजनीतिक हलकों में यह सवाल तेजी से तैर रहा है कि दो माह बाद होने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव पर इसका कितना असर होगा। *क्या राम भक्ति में बहा बहुसंख्यक हिंदू समाज अपनी भाव विह्वलता को मोदी के पक्ष में वोटों में बदलेगा, बदलेगा तो कितना बदलेगा, क्या मोदी की अगुवाई और रघुराई की कृपा से मोदी 1957 के लोकसभा में कांग्रेस की विजय का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे, जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 371 सीटें जीती थीं और 47.8 फीसदी वोट हासिल किए थे। हालांकि कांग्रेस की विराट जीत 1984 में पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए लोकसभा चुनाव में हुई थी, जब कांग्रेस ने 414 सीटें और 46.86 फीसदी वोट हासिल किए थे। हालांकि, मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने भी 2019 के लोकसभा चुनाव में 303 सीटों के साथ अब तक की सर्वश्रेष्ठ जीत हासिल की थी। पार्टी का वोट शेयर भी बढ़कर 37–36 37–36 हो गया था। अब सवाल पूछा जा रहा है कि राम मंदिर इस वोट बैंक में कितना और जोड़ेगा? या भाजपा पिछले चुनाव के नतीजों तक भी नहीं पहुंच पाएगी, क्योंकि लड़खड़ाते ही सही इंडिया गठबंधन के रूप में कुछ विपक्षी पार्टियां लोकसभा चुनाव को 'वन ऑन वन' बनाने की कोशिश में लगी हैं। हालांकि, यह गठबंधन चुनाव तक टिकेगा, इसकी संभावना कम ही लगती है। दूसरे, राम मंदिर को लेकर उठा आस्था का सैलाब कुछ दिन बाद बैठने लगेगा, जमीनी मुद्दे फिर हावी होंगे। बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी जैसे मुद्दे अगले चुनाव में फिर उभरेंगे, चुनावों पर इनका असर जरूर होगा। तीसरा, एक हद तक यह मुकाबला दो यात्रियों के बीच भी है। पहले तो खुद मोदी हैं, जो देश में जगह-जगह रोड शो कर रहे हैं। दक्षिण में उनकी स्वीकृति पहले की तुलना में बढ़ी है। अब राम मंदिर इसमें कितना इजाफा करेगा, यह देखने की बात है। लेकिन इतना तय है कि राम मंदिर की जानकारी दक्षिण में भी गांव गांव तक है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह की डिजाइनिंग, टाइमिंग और प्रस्तुति इस अंदाज में की गई थी, जिसका धार्मिक के साथ साथ राजनीतिक असर भी पड़े। इसमें कोई शक नहीं कि राम मंदिर में रामलला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से देश के बहुसंख्यक हिंदू गदगद हैं तो अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों में आशंकाएं बढ़ी हैं। राम मंदिर का असर यूपी और कुछ उत्तर पश्चिमी राज्यों में हो सकता है। लेकिन दक्षिण में भी वैसी ही लहर चले, जरूरी नहीं है। हालांकि, राम मंदिर बनने से मोदी की लोकप्रियता में कई गुना वृद्धि हुई है और दक्षिण में भी उनके प्रति लोगों में उत्सुकता बढ़ी है। यह वोटों में कितनी बदलेगी, यह देखने की बात है। लेकिन ऐसा लगता है कि तमिलनाडु और केरल जहां भाजपा का वजूद नहीं के बराबर है, राम मंदिर मुद्दा पार्टी को चौंकाने वाली सफलता दिला सकता है। दरअसल राम मंदिर उद्घाटन के ठीक छह महीने पहले जिस तरह से तमिलनाडु में सनातन धर्म पर सुविचारित हमला किया गया था, राम मंदिर में रामलला की प्राणप्रर्तिष्ठा उसी का जबर्दस्त जवाब है। सनातन धर्म के नाश का आह्वान करने वाले तमिलनाडु के खेल मंत्री और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने अब यह कहना शुरू कर दिया है कि वो राम मंदिर के खिलाफ नहीं है बल्कि किसी मस्जिद को गिराकर मंदिर बनाने के विरोध में है। यानी राम मंदिर का असर वहां भी हो रहा है। पार्टी लाइन से हटकर मोदी की अपनी पर्सनल फालोइंग भी जबर्दस्त है, जो एक दमदार हिंदू नेता की है। वो राम मंदिर के बहाने हिंदू वोटों पर अपनी पकड़ कमजोर शायद ही होने दें। दूसरे यात्री कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हैं, जो दो हफ्ते से भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर निकले हैं। वो मोदी पर खुलकर हमले कर रहे हैं और भारत की जनता को सौहार्द और न्याय दिलाने का आश्वासन दे रहे हैं। इस यात्रा की वोटों में तब्दीली कितनी होगी, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि वक्त राहुल को चुनाव के पहले की राजनीतिक लामबंदी में व्यस्त होना चाहिए था, वो न्याय यात्रा में मगन हैं। वैसे भी यह यात्रा जल्दबाजी में निकाली जा रही है। इसका वैसा असर नहीं दिख रहा, जैसा कि पिछली भारत जोड़ो यात्रा का था। हालांकि, इस बार राहुल ने अपने जुमले भी बदल दिए हैं। वो अब 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने' या फिर अडाणी पर आरोपों से बच रहे हैं। यहां दिलचस्प बात यह है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू का बाह्य स्वरूप जो भी हो, उसका निहित उद्देश्य स्पष्ट रूप से राजनीतिक है। इन्हीं दो अभियानों का मुकाबला भी आगामी लोकसभा चुनावों में होना तय है। जाहिर है कि अब नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी दोनों के सामने अपने चुनावी रिकार्डों को तोड़ने की बड़ी चुनौती है। मोदी के सामने चुनौती तीसरी बार भाजपा और एनडीए रिकॉर्ड जीत से सत्ता में लाना तो राहुल के समक्ष चुनौती कांग्रेस को संसद में अधिकृत विपक्ष का दर्जा दिलाने की है। 2019 में कांग्रेस को 52 सीटें मिली थीं। इस बार वह इंडिया गठबंधन के माध्यम से सत्ता प्राप्ति पहुंचने का सपना पाले हुए हैं, लेकिन जिस तरह से गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच जीतने की जिद से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर लड़ने के लिए घमासान मचा है, उससे नहीं लगता गठबंधन डेढ़ सौ सीटों से ज्यादा ला पाएगा। इसका कारण चुनावों लेकर मोदी और भाजपा तथा कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के एप्रोच में भी साफ दिखाई देता है। भाजपा भी राम मंदिर को लेकर मुगालते में है, ऐसा नहीं लगता। वो राम मंदिर जैसे भावनात्मक मुद्दे के अलावा वोट खींचने के दूसरे फार्मूलों पर भी उतनी ही गंभीरता और तेजी से काम कर रहे हैं। उन्हें पता है कि राम ऊपरी तौर पर भले ही हिंदुओं को काफी हद तक एक कर दें, लेकिन जातीय गोलबंदी के मामले में वो ज्यादा मदद नहीं कर पाएंगे। इसीलिए बहुत सुविचारित ढंग से इस बार भारत रत्न अति पिछड़ी जाति से आने वाले बिहार के जननायक कहे जाने वाले कर्पूरी ठाकुर को देने का ऐलान किया गया। इससे बिहार में सत्तारूढ़ जदयू राजद गठबंधन में घमासान तेज हो गया है। माना जा रहा है कि देश में जातिवाद से सर्वाधिक ग्रस्त बिहार में मोदी सरकार के इस फैसले का अति पिछड़ी जातियों में बड़ा संदेश गया है। नीतीश कुमार भी इन्हीं जातियों की राजनीति करते हैं। जो संकेत मिल रहे हैं, उससे लगता है कि नीतीश एक बार फिर पलटी मार कर एनडीए के छाते में आ सकते हैं। अगर वो लौटे तो बिहार की 40 लोकसभा सीटों पर खेला होना तय है। एनडीए वहां स्वीप भी कर सकता है। उधर बंगाल में ममता और पंजाब में आम आदमी पार्टी तथा कांग्रेस में सीटों की शेयरिंग पर अंततः बात नहीं बनी तो सब अलग लड़ेंगे और घाटे में कांग्रेस ही रहेगी। जबकि इन राज्यों में भाजपा की ताकत और बढ़ सकती है। आंध्र में भी दिलचस्प स्थिति बन रही है। वहां मुकाबला अब भाई बहनों की अलग-अलग कांग्रेस में होने जा रहा है। लेकिन वहां टीडीपी और भाजपा में समझौता हो गया तो आंध्र में लोकसभा और विधानसभा दोनो के चुनाव नतीजे चौंका सकते हैं। इसी तरह तेलंगाना में भाजपा की ताकत और बढ़ सकती है, वहां कांग्रेस सत्ता में है और बीआरएस तीसरी बड़ी खिलाड़ी है। कर्नाटक में भाजपा और जेडीएस साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। ऐसे में लोकसभा में स्वीप करने की पूरी संभावना है। वहां विधानसभा में कांग्रेस के पक्ष में उभरा ज्वार अब उतार पर है। रामलला का असर वहां भी दिखाई देगा। पश्चिम बंगाल में ममता अलग लड़ी तो टीएमसी और भाजपा ज्यादातर सीटें जीत लेंगे। हिंदी पट्टी और गुजरात में भाजपा का लगभग सभी सीटें जीतना तय सा है। महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति गठबंधन अधिकांश सीटें जीत सकता है। वहां भी इंडिया गठबंधन में शाब्दिक बयानबाजी से आगे मामला नहीं बढ़ रहा। मतदाता इस खींचतान को भी बारीकी से देख और समझ रहे हैं।*

जिस 'टेस्ट ऑफ अर्थ 'कुल्हड़ में फ्रांस के प्रेसिडेंट ने ली चाय की चुस्की, उसका इतिहास 5000 साल का

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने जब जयपुर के प्रसिद्ध हवा महल के सामने चाय की थड़ी पर चुस्कियां लेते हुए मिट्टी के कुल्हड़ के विषय में अपनी जिज्ञासा जताई तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तपाक से कहा, मोस्ट एनवायरमेंटल फ्रेंडली एंड टेस्ट ऑफ अर्थ।

नरेंद्र मोदी की सॉफ्ट डिप्लोमेसी की बदौलत पिछले करीब एक दशक में कई राष्ट्राध्यक्ष भारत के अलग-अलग शहरों में रोड शो में शामिल हो चुके हैं। भारत की परंपरागत वस्तुओं का लुफ्त उठाते रहे हैं। फ्रेंच प्रेसिडेंट मैक्रों ने भी दुनिया में गुलाबी शहर के नाम से प्रसिद्ध जयपुर में कुछ इसी अंदाज में न केवल रोड शो किया, बल्कि उन्होंने दुकानों पर भारतीय परंपरागत चीजों की शॉपिंग भी की, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा टेस्ट ऑफ अर्थ यानी मिट्टी के कुल्हड़ की हो रही है। भारत और दक्षिण एशियाई हमारे कुछ पड़ोसी देशों में चाय की दुकानों पर कुल्हड़ देखा जा सकता है। भारत में खासकर उत्तर भारत में चाय मिट्टी के कुल्हड़ में देने का चलन रहा है। ग्रामीण भारत में ब्याह-शादी और अन्य समारोह में मिट्टी के कुल्हड़ में दूध-चाय-पानी दिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में जरूर कागज और प्लास्टिक के कप ने मिट्टी के कुल्हड़ का स्थान लेने का असफल प्रयास किया, लेकिन कुल्हड़ दोबारा प्रचलन में आ गया है। इसका बहुत बड़ा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी जाता है। मिट्टी के कुल्हड़ के प्रमाण 5000 साल पहले तक मिलते हैं। सिंधु घाटी सभ्यता की खुदाई में मिट्टी के बर्तन मिले हैं, जिनमें कुल्हड़ शामिल है, यानी भारत में कुल्हड़ का चलन सैकड़ों साल पुराना है। कुछ दशक पहले तक देश में कुम्हार ही मिट्टी के बर्तन और कुल्हड़ बनाया करते थे, लेकिन पिछले कुछ सालों से मिट्टी के बर्तन और कुल्हड़ बनाने के कई स्टार्टअप शुरू हुए हैं। कई पढ़े-लिखे युवा भी मिट्टी के बर्तन बनाने के बिजनेस शुरू कर चुके हैं। मिट्टी के बर्तनों के कुछ बिजनेस ऐसे हैं, जिनका टर्नओवर सालाना करोड़ों रुपए का है। मिट्टी के बर्तन और कुल्हड़ ऑनलाइन शॉपिंग वेबसाइट्स पर अच्छी कीमत में बिक रहे हैं। दरअसल, भारत में हर चीज के पीछे साइंस रहा है। मिट्टी के बर्तनों में खान-पान जैसे चाय के उपयोग के पीछे भी साइंस है। मिट्टी के कुल्हड़ में चाय पीने या पानी पीने के स्वास्थ्य से जुड़े कई प्रकार के लाभ होते हैं। रिसर्च गेट में प्रकाशित एक शोध के अनुसार मिट्टी के बर्तन में खाना-पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है। मिट्टी के बर्तन में खाने का स्वाद भी बढ़ जाता है। जहां प्लास्टिक ग्लास में गर्म चाय डालने से उसमें मौजूद केमिकल चाय में घुल जाते हैं और कैंसर जैसी बीमारियों की संभावना को बढ़ा देते हैं, वहीं मिट्टी के कुल्हड़ में मौजूद कैल्शियम खाने के साथ मिलकर हमारे शरीर में कैल्शियम की पूर्ति करता है। मिट्टी के बर्तन खाने के माइक्रोन्यूट्रिएंट्स को सुरक्षित रखते हैं। चाय के जरूरी पोषक तत्व कुल्हड़ में प्रिजर्व रहते हैं। मिट्टी का कुल्हड़ तांबे या चांदी के बर्तन से भी कई गुना ज्यादा फायदेमंद बताया गया है। कुल्हड़ का फायदा कुल्हड़ का एक फायदा यह भी है कि ये हानिकारक बैक्टीरिया से हमें बचाता है, जबकि प्लास्टिक के गिलास या कांच के गिलास में मौजूद बैक्टीरिया हमारे भोजन के साथ शरीर में चले जाते हैं। मिट्टी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स बैक्टीरिया को पनपने नहीं देते। कुल्हड़ की चाय पाचन के लिए भी फायदेमंद है। सबसे बड़ी बात जैसा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से कहा, यह एक मोस्ट एनवायरमेंटल फ्रेंडली पात्र है, जो हमारे पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचता है। गुलाबी नगरी की चाय पीकर इमैनुएल मैक्रों अभिभूत दिखे और यह निश्चित है कि उनको भारतीय आतिथ्य सत्कार और कुल्हड़ की चाय पसंद आई। यह भी संभव है कि आने वाले दिनों में फ्रांस की किसी कॉफी या टी-शॉप पर मिट्टी के कुल्हड़ में चाय मिलती दिख जाए।

न्याय संहिता की नई सूरतः नए भारत के निर्माण में सहायक होंगे तीनों विधान

गत वर्ष दिसंबर में संसद में तीन नए कानूनों का पारित होना और राष्ट्रपति द्वारा उन्हें अनुमोदित किया जाना, एक ऐतिहासिक अवसर था, जिसकी पूरे गणतंत्र को प्रतीक्षा थी। नए गणतांत्रिक बदलावों के तहत, 1860 में बनी आईपीसी को भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बनी सीआरपीसी को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम को भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम दिए गए हैं। लेकिन इन बदलावों को समझने के लिए पुराने कानूनों के इतिहास को देखना जरूरी है। 1857 में भारत की स्वाधीनता के पहले संघर्ष के उपरांत इन कानूनों की नींव रखी गई थी, जिनका मौलिक उद्देश्य था कि ब्रिटेन की सामंती प्राथमिकताओं को पूरी तरह से सुदृढ़ करते हुए उसके साम्राज्यवादी हितों की पूरी तरह सुरक्षा की जाए, इसीलिए ये तीनों कानून अपने मौलिक रूप में जन विरोधी भी कहे जाते थे। इन कानूनों का न केवल मौलिक स्वरूप परिवर्तित किया गया है, अपितु सामान्य जन को केंद्र में रखते हुए समाज के दुर्बल वर्गों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इन कानूनों को नए रूप में नए नाम के साथ गौरवशाली राष्ट्र को समर्पित किया गया है। भारतीय गणतंत्र में विचारों के आदान-प्रदान का खास महत्व है। यही प्रक्रिया नए कानूनों के निर्माण में भी अपनाई गई। पुराने कानूनों में बदलावों को प्रस्तावित करने वाली संसदीय समिति ने व्यापक भ्रमण, विचार-विमर्श, मंथन बैठकों आदि के माध्यम से सामाजिक परिवेश में जो अनिवार्यता थी तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर जो दिशा निर्देश दिए थे, उन सभी का समावेश इन तीनों नए कानून में किया है। देश भर के विधि व अन्य विश्वविद्यालयों, विद्यार्थियों, महिला संगठनों, मानवाधिकार संगठनों, अधिवक्ताओं और फॉरेंसिक विज्ञान के विशेषज्ञों के साथ विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श और व्यावहारिकता को दृष्टिगत रखकर चरणबद्ध बैठकें हुईं। समाज के प्रत्येक वर्ग के विचारों एवं परामर्श पर गंभीरतापूर्वक विचार किया गया और जन अपेक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए इन तीनों नए कानून में क्रांतिकारी परिवर्तन किए गए हैं। उग्र भीड़ द्वारा सामूहिक रूप से की जाने वाली हत्या यानी मॉब-लिंचिंग को अब अपराध की श्रेणी में रखा गया है और कठोरतम दंड (मृत्यदंड) प्रस्तावित किया गया है। न्याय संहिता में राजद्रोह और देशद्रोह में फर्क स्पष्ट किया गया है, जहां राजद्रोह अब दंडनीय अपराध नहीं है, परंतु देशद्रोह दंडनीय अपराध होने के साथ-साथ इसके लिए सात वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान रखा गया है। विवाह का लालच देकर धोखे एवं छल से किसी महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाना अथवा उसका यौन शोषण करने पर 10 वर्ष के कठोर कारावास के दंड का प्रावधान किया गया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में भी बदले हुए परिवेश और तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न प्रकार की तकनीक का प्रयोग किया गया है जैसे, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, अभिलेखों का डिजिटाइजेशन, पीड़िता के बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग आदि अनिवार्य कर दी गई है, जिससे कि साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ न हो सके। सीआरपीसी की धारा 41ए के स्थान पर धारा 35 एक अति महत्वपूर्ण धारा है, जिसमें यह व्यवस्था है कि कोई भी गिरफ्तारी बिना वरिष्ठ अधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना संभव नहीं हो पाएगी, जिससे थाना स्तर पर आए दिन हो रहे अधिकारों को दुरुपयोग पर नियंत्रण हो सकेगा। प्रथम सूचना पंजीकृत करना एक अत्यंत दुष्कर कार्य है, जिसके बारे में सामान्य जनता पीड़ित दिखाई पड़ती है। दया याचिका में भी बड़े बदलाव किए गए हैं, जिसके अनुसार, राष्ट्रपति के समक्ष 60 दिन में और राज्यपाल के समक्ष 30 दिन में याचिका प्रस्तुत हो जानी चाहिए और राष्ट्रपति के निर्णय के उपरांत वह निर्णय किसी भी न्यायालय के कार्य क्षेत्र में नहीं आएगा। भारतीय साक्ष्य अधिनियम को सुदृढ़ करते हुए पुराने अधिनियम की 23 धाराओं को संशोधित किया गया है और 170 धाराओं में वर्तमान कानून को शुद्ध रूप में प्रस्तुत किया गया है। ये तीनों नए कानून किसी क्रांति से कम नहीं है और इस गणतंत्र दिवस पर देश के जन-जन को एक अमूल्य वरदान की तरह हैं। इससे समाज के दुर्बल वर्ग को तो राहत मिलेगी ही, अपितु जो सामंती प्राथमिकताओं को प्रशस्त करने वाले कानून थे, उन्हें समाप्त कर सुदृढ़ कानून व्यवस्था के जरिये एक नए भारत के निर्माण में भी सहायक होंगे।

सीएम योगी के निर्देश पर अयोध्या पहुंचे प्रमुख सचिव श्रीरामलला की आरती और दर्शन का समय जारी

श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा उपरांत दर्शनार्थियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सुगम दर्शन करवाए जाने के निर्देशों का साफ असर दिख रहा है। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव व प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद द्वारा शुक्रवार को अयोध्या में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। गणतंत्र दिवस के बीच प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर का मंडलायुक्त, जिला अधिकारी व पुलिस महानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षक सुरक्षा आदि अधिकारियों के साथ भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं को दर्शन करने हेतु सुगमता पूर्वक आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बता दें कि श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा आयोजन के बाद से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दर्शनार्थियों के दर्शन करने व अयोध्या की सुरक्षा व्यवस्था व अन्य आवागमन व्यवस्थाओ को लेकर नियमित समीक्षा की जा रही है। इसी क्रम में प्रमुख सचिव गृह द्वारा अयोध्या भ्रमण किया गया। वहीं इससे पहले प्रातः काल भी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया था। सभी श्रद्धालु श्रद्धा पूर्वक पंक्तिबद्ध होकर दर्शन कर रहे हैं तथा प्रसाद भी प्राप्त कर रहे हैं। श्रीराम लला की आरती और दर्शन का समय जारी भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट ने आरती और दर्शन की समय सूची जारी की है। विश्व हिन्दू परिषद के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा के अनुसार श्रीराम लला की मंगला आरती साढ़े चार बजे श्रृंगार आरती (उत्थान आरती) सुबह साढ़े छह बजे होगी। इसके बाद भक्तों को दर्शन सात बजे से कराया जाएगा। इसके उपरांत भोग आरती दोपहर बारह बजे, संध्या आरती शाम साढ़े सात बजे तथा रात्रि नौ बजे भोग आरती और शयन आरती रात दस बजे होगी। सुबह मंगला आरती के दौरान मंदिर के कपाट आम दर्शनार्थियों के लिए बंद रहेंगे।

भारत विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था फिर भी टॉप-100 अमीर देशों में नाम नहीं?

नई दिल्ली । भारत एक ऐसा देश है जिसने दुनियाभर में अपनी धाक जमाई है. अमेरिका चीन जापान जर्मनी के बाद 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत की है. लेकिन जब बात आती है दुनिया के सबसे अमीर देशों की लिस्ट में शामिल होने की तो भारत का नाम टॉप-10 में भी नहीं आता। ये हमें सोचने को विवश करता है कि आखिर इतनी असमानता क्यों? आप लोगों को शायद यह जानकर आश्चर्य होगा कि दुनिया के कई सबसे अमीर देश सबसे छोटे देशों में से हैं। दुनिया के दस सबसे अमीर देशों की लिस्ट में एशिया के 4 और यूरोप के 5 देश शामिल हैं. पश्चिम यूरोप का एक छोटा सा देश लक्जमबर्ग दुनिया का सबसे अमीर है. ये बेल्जियम, फ्रांस और जर्मनी से घिरा हुआ है. क्षेत्रफल के हिसाब से लक्जमबर्ग यूरोप का 7वां सबसे छोटा देश है. यहां की आबादी सिर्फ 6.50 लाख है। लक्जमबर्ग की सरकार देश की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा अपने लोगों को बेहतर आवास सुविधा देने, हेल्थ केयर और एजुकेशन पर खर्च करती है. लक्जमबर्ग एक विकसित देश है, जहां जीडीपी प्रति व्यक्ति आय सबसे ज्यादा 143,320 डॉलर है। लक्जमबर्ग यूरोपीय संघ, संयुक्त राष्ट्र संघ, यूरोपीय संघ, नाटो और ओईसीडी का संस्थापक सदस्य है। क्या है जीडीपी प्रति व्यक्ति आय? किसी देश को किस आधार पर अमीर माना जाए ये मापने के लिए कई तरीके हैं, लेकिन सबसे आम तरीकों में से एक है जीडीपी प्रति व्यक्ति आय. जीडीपी एक साल में बनाए गए सभी प्रोडक्ट्स और सेवाओं की कुल कीमत होती है। जब जीडीपी को देश की कुल जनसंख्या से भाग कर दिया जाता है तो जीडीपी प्रति व्यक्ति आय निकलकर आ जाती है. प्रति व्यक्ति जीडीपी यह बताती है कि एक देश के हर व्यक्ति को औसतन कितनी कमाई होती है। ये एक देश के नागरिकों के जीवन स्तर का अंदाजा लगाने का एक तरीका है. इसे किसी देश की आर्थिक स्थिति मापने के लिए जीडीपी से बेहतर पैमाना माना जाता है।

दुनिया के सबसे अमीर देशों में भारत कहां?

जीडीपी पर कैपिटा रैंकिंग 2023 के अनुसार, भारत 129वें स्थान पर है यानी कि सबसे अमीर देशों की लिस्ट में 129वां स्थान है. भारत की जीडीपी प्रति व्यक्ति आय 2673 डॉलर (2.21 लाख रुपये) है. हालांकि जब वर्ल्ड जीडीपी रैंकिंग की बात आती है तो भारत 5वें स्थान पर है। अनुमानों के अनुसार, साल 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा. 2014 में भारत इस लिस्ट में 10वें स्थान पर था. प्रति व्यक्ति जीडीपी के मामले में भारत की स्थिति पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका से भी खराब है। 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए भारत को सालाना आठ फीसदी की रफ्तार से ग्रोथ करनी होगी. आईएमएफ का अनुमान है 2027 में भारतीयों की एवरेज सालाना पर कैपिटा जीडीपी 3466 डॉलर होगी. मगर इससे पर कैपिटा रैंकिंग में कोई सुधार नहीं होगा। दक्षिण सूडान को दुनिया का सबसे गरीब देश माना जाता है जहां की प्रति व्यक्ति जीडीपी 475 डॉलर है. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, दुनिया के दस सबसे गरीब देशों में औसत प्रति व्यक्ति आय 1432 डॉलर है, जबकि दस सबसे अमीर देशों में यह 105,170 डॉलर से ज्यादा है। छोटे देश दुनिया में सबसे अमीर कैसे? लक्जमबर्ग, सैन मारिनो, स्वीट्जरलैंड जैसे छोटे देश दुनिया के 10 सबसे अमीर देशों की लिस्ट में शामिल है. ये देश अपने मजबूत फाइनेंशियल सिस्टम और टैक्स व्यवस्थाओं के कारण समृद्ध हैं। इस वजह से विदेशी निवेश, प्रोफेशनल टेलेंट और बैंक में ज्यादा डिपोजिट के प्रति लोग आकर्षित होते हैं। कुछ देश प्राकृतिक संसाधनों के कारण समृद्ध हैं. इन देशों के पास तेल और गैस के बड़े भंडार हैं, जो उन्हें बहुत धनवान बनाते हैं. जैसे- कतर और संयुक्त अरब अमीरात. टूरिस्ट प्लेस कुछ देशों को समृद्ध बनाता है. आकर्षक पर्यटन स्थल और जुआ उद्योग वाले देश पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, जो अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। चमचमाते कैसीनो और टूरिस्ट की बड़ी संख्या किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी है. लॉकडाउन और महामारी की मार झेलने के बाद भी मकाऊ का नाम टॉप-5 देशों में लिस्ट में शामिल है। मकाऊ 'दुनिया की जुआ राजधानी' के रूप में जाना जाने लगा है. यहां जुआ खेलना लीगल है। भारत सबसे अमीर देशों में शामिल क्यों नहीं? भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है लेकिन इसका फायदा समान रूप से जनता को नहीं मिल पा रहा है. असमानता एक बड़ी वजह है. एक तरफ जहां देश में कुछ लोगों के पास करोड़ों अरबों की संपत्ति है, वहीं दूसरी तरफ लाखों लोग गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने को विवश हैं। ऑक्सफैम इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सिर्फ 1 फीसदी आबादी के पास देश की करीब 40 फीसदी संपत्ति है. इसका मतलब है कि एक छोटा सा वर्ग बेहद धनी है, जबकि ज्यादातर जनसंख्या आर्थिक रूप से कमजोर है। भारत का बुनियादी ढांचा अभी भी विश्वस्तरीय मानकों तक नहीं पहुंच पाया है. खस्ताहाल सड़कें, अपर्याप्त बिजली आपूर्ति और कमजोर पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम देश के आर्थिक विकास में रोड़े अटकाते हैं। ये कमियां न सिर्फ उत्पादन लागत को बढ़ाती हैं, बल्कि निवेश को आकर्षित करने में भी बाधा डालती हैं. हालांकि पिछले दशकों की तुलना में काफी सुधार हुआ है। इसके अलावा भारत में कुशल श्रमबल की कमी भी एक बड़ी चुनौती है. इस कारण कई कंपनियां कुशल कर्मचारियों की तलाश में विदेशों का रुख करती हैं. ये कंपनियां भारत में निवेश करने से कतराती हैं, जिससे देश के आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। भ्रष्टाचार भी भारत की अर्थव्यवस्था का एक गंभीर रोग है. यह न केवल धन की बंदरबांट को रोकता है, बल्कि निवेश को रोकता है और आर्थिक विकास को बाधित करता है. हालांकि यह भी ध्यान रखना अहम है कि भारत इस दिशा में सुधार करते हुए तेजी से प्रगति कर रहा है।

कौन हैं तन्मय अग्रवाल? 147 गेंद पर तिहरा शतक जमा बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली- *भारतीय बल्लेबाजों का दुनियाभर में बोलबाला देखने को मिलता है. विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बैटर कोई ना कोई रिकॉर्ड अपने नाम करते रहते हैं. उनके पीछे से युवाओं की फौज तैयार हो रही है जो इंटरनेशनल क्रिकेट में धमाका करने को बेकरार है. मौजूदा रणजी ट्रॉफी के मुकाबले में शुक्रवार 26 जनवरी को एक ऐसी ही पारी देखने को मिली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ डाला. तन्मय अग्रवाल दुनिया में सबसे तेज तिहरा शतक बनाने वाले बैटर बन गए हैं. छक्कों चौकों की बौछार करते हुए इस बैटर ने कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया. रणजी ट्रॉफी में 26 जनवरी 2024 खेला गया अरुणाचल प्रदेश और हैदराबाद के बीच का मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है. एक दिन के खेल में ही तन्मय अग्रवाल ने धुंआधार अंदाज में गेंदबाजों की पिटाई करते हुए ट्रिपल सेंचुरी जमा दी. इस धमाकेदार तिहरा शतक को जमाते हुए तन्मय ने वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. महज 147 गेंद पर 21 छक्के और 33 चौके की मदद से इस बैटर ने 323 रन ठोक डाले.झ 28 साल के तन्मय का जन्म आंध्र प्रदेश में तीन मई 1995 को हुआ था. क्रिकेट की तरफ छोटी उम्र में ही रुझान पैदा होने पर माता पिता ने उनको इस खेल की तरफ बढ़ाया. तन्मय की धमाकेदार खेल की नतीजा था कि उन्होंने हैदराबाद अंडर-14 टीम में जगह बनाई. अंडर-16, अंडर-19, अंडर-22 और अंडर-25 में टीम में वह जगह बनाने में कामयाब हुए. साल 2014 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला. इंडियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में भी तन्मय ने जगह बनाई. 56 फर्स्ट क्लास मैचों में 3500 से अधिक रन बनाए हैं. रिचर्ड्स और सहवाग का रिकॉर्ड ध्वस्त तन्मय ने अब साउथ अफ्रीका के मार्को माराइस 191 रन पर बनाए तिहरे शतक के रिकॉर्ड को 147 रन पर बनाकर तोड़ डाला. इस कारनामे को वेस्टइंडीज के महान बैटर विव रिचर्ड्स ने 244 गेंद पर अंजाम दिया था. एक दिन में 300 रन बनाकर तन्मय ने भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया. 2009 में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ ब्रेबॉर्न टेस्ट में एक दिन में 284 रन बनाए गए थे*

सिनेमा/मनोरंजन/नाटक

सामने आया जहांकिला का पोस्टर

फिल्म का देशभक्ति भाव से भरा जहां कर्मण गाना भी हुआ रिलीज

आगामी फिल्म जहांकिला का आधिकारिक पोस्टर सामने आ चुका है। यह फिल्म हमारे गुमनाम नायकों के अपनी मातृभूमि के प्रति किए गए प्रेम और बलिदान को दिखाती है। ये फिल्म देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता जैसे पहलुओं को छूती है। फिल्म के पोस्टर के साथ इसका प्रमोशनल गाना शुभ कर्मण भी जारी हो चुका है। यह गाना बेहद जोशीला है। जहांकिला 22 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नुमान के निर्देशक का आदिपुरुष पर कटाक्ष! प्रशांत वर्मा बोले- कुछ सीक्वेंस ने बेहद निराश किया

प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म हनुमान सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर तेजा सजा अभिनीत इस फिल्म ने 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। बहुत छोटे पैमाने के बावजूद यह साल की एक बड़ी हिट बन गई है। फिल्म की सफलता से प्रशांत बेहद खुश हैं। इसी कड़ी में निर्देशक अपनी खुशी जाहिर करते हुए ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष पर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं। प्रशांत वर्मा ने आदिपुरुष से ली सीख? तकरीबन 300 करोड़ रुपये के बजट में बनी ओम राउत की आदिपुरुष को इसके सीन और डायलॉग्स के लिए गंभीर प्रतिक्रिया मिली। यह पूछे जाने पर कि क्या वह आदिपुरुष को अपनी फिल्म के साथ कुछ चीजें न करने के सबक के रूप में देखते हैं, प्रशांत वर्मा ने कहा, बिल्कुल नहीं। चाहे फिल्म बनी हो या नहीं, मैं यह फिल्म वैसे ही बनाऊंगा जैसी अभी है। क्योंकि ये वो गलतियां हैं, जो मैं कभी नहीं करूंगा चाहे वो फिल्म कोई भी हो। यह फिल्म निर्माण की मेरी शैली नहीं है, और एक व्यक्ति के रूप में भी। उस फिल्म ने मेरी फिल्म निर्माण की प्रक्रिया को बिल्कुल भी प्रभावित नहीं किया। प्रशांत वर्मा से जब पूछा गया कि क्या आदिपुरुष ने उन्हें किसी तरह से आहत किया है, तो इस पर उन्होंने कहा, सच कहूं तो, फिल्म में कुछ सीक्वेंस थे जहां मैं वाह करने पर मजबूर हो गया था, वे बहुत अच्छे थे। मैं ऐसा कभी नहीं कर सकता था। हमें वह श्रेय देना चाहिए। वहीं, कुछ सीक्वेंस ऐसे थे जिन्हें देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। मैं अपने आप से कह रहा था कि इसे मैं अलग तरीके से करता। ऐसा हर फिल्म निर्माता महसूस करता है। साथ ही, एक दर्शक के रूप में भी मैं सहमत नहीं हो सका लेकिन फिर कुछ शानदार दृश्य थे।तेजा सजा और अमृता अय्यर की मुख्य भूमिकाओं वाली, हनुमान ने 15 दिनों के भीतर बॉक्स ऑफिस पर 230 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। इसने महेश बाबू की गुंटूर कारम के कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है, जिसने इंडस्ट्री को चौंका दिया। प्रशांत ने हनुमान के सीक्वल का प्री-प्रोडक्शन शुरू कर दिया है, जिसे एक बड़ी फ्रेंचाइजी में बदल दिया जाएगा। सीक्वल का नाम 'जय हनुमान' है।

जब बिटिया ने उठाया श्मशान में मुर्दे जलाने का बीड़ा, पढ़िए क्या कहते हैं दया शंकर इस कहानी के बारे में

भोजपुरी फिल्मों कसम धरती मईया की और सत्या के बाद अभिनेता दया शंकर पांडे की तीसरी फिल्म जया अगले महीने रिलीज होने वाली है। दया का कहना है कि वह भोजपुरी सिनेमा में वही फिल्में करना चाहते हैं जिनमें फूहड़ता ना हो। वह यह भी कहते हैं कि क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्मों में सबसे यादा भोजपुरी फिल्में बनती हैं लेकिन इनके बारे में कोई गर्व से बात नहीं करता। अभिनेता दया शंकर पांडे कहते हैं, मुझे अलग अलग तरह के किरदार निभाने का मौका मिलता है तो करने में मजा आता है। मैंने दिनेश लाल यादव निरहुआ के साथ धरती मईया की कसम और पवन सिंह के साथ सत्या की थी। दोनों फिल्मों में मेन विलेन था। इन फिल्मों में एक अभिनेता के तौर पर मुझे अलग करने को मिला। हिंदुस्तान में कई क्षेत्रीय भाषाओं की फिल्में बन रही हैं लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि हमारी मराठी फिल्में, हमारी साउथ की फिल्में अछी है। लेकिन भोजपुरी सिनेमा को हम गर्व से नहीं कह पाते कि हमारी फिल्में बहुत अछी हैं, यह एक बहुत बड़ी बिडंबना है। दया का मानना है कि जो समाज के लिए बदलाव लाए वह सिनेमा है। वह कहते हैं, फिल्मों से हम भले ही यादा पैसे कमा रहे हैं, लेकिन सिनेमा का एक स्तर होना चाहिए। मैं अवार्ड को सेकेंडरी समझता हूं। कला इसीलिए बनी कि वह समाज को बदले। चाहे वह कहानियों के माध्यम से हो या फिर कविताओं के माध्यम से। भोजपुरी फिल्म जया एक सामाजिक संदेश देती है। मुझे ऐसी फिल्म करने में आनंद आता है और मैं ऐसे सिनेमा के साथ जुड़ा हूं चाहे वह फिल्म लगान, स्वदेश, और गंगाजल जैसी फिल्मों हो जिसने समाज को सामाजिक रूप से एक नया दृष्टिकोण दिया। दया शंकर पांडे कहते हैं, एक कलाकार के तौर पर मेरा मानना है कि हमारा ऐसा योगदान सिनेमा के प्रति होना चाहिए, जिससे समाज हमारी कला और कहानी से कुछ सीखे। और, बदलाव आए। क्योंकि ऐसा हमेशा से होता आ रहा है, चाहे भारतीय सिनेमा हो या फिर हॉलीवुड की फिल्में, समाज के बदलाव में सिनेमा की अहम भूमिका रही है। कहानी और नाटक समाज को बदलने के माध्यम रहे हैं। फिल्में देखकर लोग अपने जीवन में बदलाव लाने कोशिश करते हैं। हमने भी किया है, फिल्में देखकर हमारे भी विचार बदले हैं। आज हम रामायण, महाभारत और गीता पढ़ते हैं तो हमें ऐसा लगता है कि कहीं ना कहीं ऐसा होना चाहिए।भोजपुरी फिल्म जया के बारे में दया शंकर पांडे कहते हैं, इस फिल्म में मैं मुर्दा जलाने वाले डोम का किरदार निभा रहा हूं। एक समय आता है जब मेरी बेटी यही काम करती है तो समाज के लोग उस पर उंगली उठाते हैं। इस फिल्म में इस सवाल का जवाब दिया गया है कि आखिर लड़की डोम का काम क्यों नहीं कर सकती है? यह एक अलग तरह की फिल्म है, बहुत अछी बात है कि भोजपुरी में ऐसी फिल्में बन रही हैं। फिल्म के निर्माता निर्देशक ने जिस तरह से फिल्म का विषय चुना है, उसके लिए मैने उन्हें दाद देता हूं कि ऐसी फिल्म बनाई और मुझे ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने में खुशी हुई।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने कहा...

मतदान अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति करने का एक सही तरीका हैं इसलिये वोट अवश्य डालें

कलेक्टर ने दिलाई राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ 14 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कार्यक्रम सम्पन्न

सिटी चीफ। धीरज कुमार अहीरवाल

दमोह, मतदाताओं, अधिकारी-कर्मचारियों और पत्रकारगण आदि सभी के माध्यम से 2023 का विधानसभा चुनाव निष्पक्ष रूप से करवाया गया। इसमे सभी की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। यह 2011 से एक प्रकार से त्यौहार की तरह मनाया जाना प्रारंभ हुआ है, इसमे युवा हर साल जुड़ते हैं। इस बार भी लगभग साढ़े चार से 5 हजार नये युवा मतदाता सिर्फ एक महीने के दौरान में एस.एस.आर. में जुड़े हैं, 18 से 19 आयु वाले जो युवा इस बार जुड़े है, वे सभी इस बार वोट डालेंगे। इस आशय की बात कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित 14 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर कही। कलेक्टर मयंक अग्रवाल एवं पुलिस अधीक्षक सुनील तिवारी ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभांरभ किया। इस अवसर पर उप-जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर मीना मसराम, एसडीएम दमोह आर एल बागड़ी विशेष रूप से मौजूद रहे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने कहा यही एक तरीका है, कई बार युवा निराश भी होते है और कई बार बड़ी उम्मीदों से आगे जागते है, कि हमारा देश आगे बढ़ रहा है, आकांछी है, आगे बढ़ना चाहता है, यही एक तरीका रहता है हमें अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति करने का, इसलिये वोट अवश्य डालें। जब हम निष्पक्ष रूप से वोट डालते है, हमारी देश के प्रति जो भावनाएं हैं कि हमारा देश ऐसा होना चाहिए, ऐसा हमे करवाना चाहिए या ये करना चाहिए। ये अभिव्यक्ति का एक तरीका रहेगा। उन्होंने कहा उन्हें पूरी आशा हैं कि आप सभी लोग इसमे जुड़ेंगे। उन्होंने कहा जिस तरीके से सभी ने 2023 के चुनाव में सहयोग किया था, उसी तरह सभी अपनी अलग-अलग भूमिकाओं में सहयोग करेंगे। जो हमारे पूर्व रिकार्ड है, हम उनसे अच्छी वोटिंग करायेंगे और अच्छे रिजल्ट निकलेंगे। चुनाव में रिजल्ट का मतलब यही रहता है, निष्पक्ष रूप से आप चुनाव कराये, अच्छी वोटिंग परशेंटेज रहे। मुझे पूर्ण आशा है कि आप सभी का सहयोग मिलेगा और हम लोग आगे बड़ेंगे।

कलेक्टर ने दिलाई राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ

इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल ने मतदाता जागरूकता संबंधी शपथ दिलाई। शपथ में कहा गया हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते है कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे॥ कार्यक्रम के प्रारंभ में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार का मतदाता संदेश वर्चुअली रूप से उपस्थित सभी ने सुना। साथ ही नवमतदाताओं को एपिक कार्ड का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों बुंदेली लोक गायन एवं छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मयंक अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी ने निर्वाचन में अधिकारियों-कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन उप-जिला निर्वाचन एवं अपर कलेक्टर मीना मसराम ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ आलोक सोनवलकर एवं विपिन चौबे ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, गणमान्य नागरिक और छात्र-छात्रायें, सम्मानीय मीडियाजन मौजूद थे.

राष्ट्रीय बालिका दिवस बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर किया गया सम्मान

सिटी चीफ। धीरज कुमार अहीरवाल

दमोह, भारत सरकार मंत्रालय महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा दिये गये निर्देशों के तहत कलेक्टर मयंक अग्रवाल के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत राष्ट्रीय किशोरी दिवस के उपलक्ष्य में पूरे सप्ताह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किये गये, जिसमे बीबीबीपी स्टीकर पेस्टिंग, शपथ एवं हस्ताक्षर अभियान, शालाओं एवं महाविद्यालय में खेल-कूंद की गतिविधियाँ, विज्ञान मेलों का आयोजन, बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव एवं बच्चों के विरुध्य होने वाली लैंगिक हिंसा अधिनियम-12, आदि विषयों पर कार्यशालाओं एवं संवाद कार्यक्रमों साथ ही साथ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय दमोह में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ अधिकारी डॉ. सरोजनी बेक, जिला शिक्षा अधिकारी एस.के. नेमा, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, एडीपीसी शेलेन्द्र असाटी, एपीसी मोहन राय, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ कार्यक्रम जिला समन्वयक ओम पटेल, आदिमजाति कल्याण विभाग उपस्तिथि में राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। जिसके पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ से किया गया। इस वर्ष जिन किशोरी बालिकाओं के द्वारा बाल विवाह रोके गए, उनके द्वारा बाल विवाह रोकने के लिये प्राप्त प्रेरणा को साझा किया गया तथा बालिका रितिका विश्वकर्मा जो इस वर्ष जूनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल हासिल कर चुकी हैं बच्चो के माता-पिता को यह बताने का प्रयास किया की प्रत्येक बच्चा यूनिक होता है उसे अपने हिसाब से अपना हुनर दिखाने का होसला देना चाहिए ना की अपनी सोच उन पर थोपना चाहिए।

इसके पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग के नवाचार जिसमें जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं एवं महिलाओं को केन्द्रित करते हुए बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत वार्षिक कैलेंडर तैयार किया गया है उसे प्रदर्शित कर समस्त प्रतिभागियों को वितरित किया गया साथ ही साथ बच्चो का संरक्षण कैसे करें विषय पर केन्द्रित किताब उपहार स्वरुप प्रदाय की गयी।

रीवा रोड पर गहरा नाला में स्वचलित सीढ़ी का हुआ लोकार्पण

सिटी चीफ। विवेक कुमार मिश्रा

सतना, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला ने अपने सतना प्रवास के दौरान शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सामने गहरा नाला रीवा रोड में स्मार्ट सिटी द्वारा नवनिर्मित स्वचलित सीढ़ियों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल और नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने विधिवत पूजन कर स्वचलित सीढ़ी का लोकार्पण किया तथा फुट ओव्हर ब्रिज के माध्यम से सड़क पार कर स्वचलित सीढ़ी का उपयोग भी किया। इस दौरान नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, महापौर श्री योगेश ताम्रकार, स्पीकर श्री राजेश चतुर्वेदी, श्री लक्ष्मी यादव, कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता, आयुक्त नगर निगम श्री अभिषेक गहलोत, नगर निगम के अधिकारी तथा पार्षदगण उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में भव्य शोभायात्रा निकाली

सतरी से सज्जनपुर तक भव्य विशाल तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी हुए सामिल

सिटी चीफ। विवेक कुमार मिश्रा

सतना। रामपुर, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के उपलक्ष पर सतरी से सज्जनपुर तक गणतंत्र दिवस की विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई जिसमे मुख्य अतिथि शंकरलाल तिवारी जी रहे रैली आयोजन को भव्य एवं सफल बनाया गया जिसमें जय श्री राम जय हिंद इंकलाब जिंदाबाद के नारे गूंजे सोनू तिवारी गोल्डन द्विवेदी सचिन पांडे अर्चित सिंह पटेल प्रहाल्द तिवारी लल्ला पांडे मयंक तिवारी शारदा शुक्ला सतरी सरपंच रिशीराम मिश्रा लल्ला तिवारी अवनीश शुक्ला राजू अग्रवाल एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे और भव्य तिरंगा यात्रा को सफल संपन्न के साथ विभिन्न ग्राम शहर बाजारों के माध्यम से निकली जहां देखने वालों को तांता लग गया.

भारतीय जनता युवा मोर्चा ने किया नमो नवमतदाता सम्मेलन का आयोजन

सिटी चीफ। भगवानदास बैरागी
शाजापुर, भारतीय जनता युवा मोर्चा ने भाजपा कार्यालय पर नमो नवमतदाता सम्मेलन का आयोजन किया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली जुड़कर नव मतदाताओं को संबोधित करते हुए कहा हम अपने वोट के माध्यम से देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना सकते हैं और आपका एक वोट आपके भविष्य का निर्धारण करेगा । आप सभी अपने मतों का प्रयोग अवश्य करें। कार्यकम को आगे संबोधित करते हुए युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष श्याम टेलर ने कहा भारतीय जनता पार्टी हर क्षेत्र

में देश को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। चाहे वह स्पेस, उद्योग , प्रकृति संरक्षण या देश की सीमाओं की सुरक्षा के क्षेत्र मे हो हर मोर्चे पर नरेन्द्र मोदी जी की सरकार सफल हुई है। कार्यकम में मुख्यरुप से नव मतदाता सम्मेलन के प्रभारी अर्जुन गुर्जर , अर्जुन सोनती, दीपक राठौर, ऋषभ शर्मा, अतुल पालीवाल, रवि धाकड़, अमित साखलिया, मंडल अध्यक्ष उमंग शर्मा, भगवान राजपूत नरेन्द्र बैरागी, रोहित धाकड़ ,समस्त नगर व ग्रामीण के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवम नवमतदाता शामिल हुए। कार्यक्रम का आभार भगवान सिंह राजपूत ने माना उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अशोक जाधव ने दी।

ग्राम टिकरिया में दिलाया विकसित भारत का संकल्प

आयोजित कार्यक्रम में जन समस्याओं को जनता को अवगत कराया गया

सिटी चीफ । रामनरेश विश्वकर्मा
पन्ना, पवई तहसील में चल रही भाजपा शासन की विकसित भारत संकल्प यात्रा के ग्राम टिकरिया के पहुंचने पर जनता ने बढ़ चढ़कर भाग लिया है।कार्यक्रम में विकसित भारत बनाने के संकल्प का जनता के साथ सामूहिक वाचन कराया गया और बच्चों द्वारा स्वागत प्रस्तुतियां दी गई। यहाँ %मेरी कहानी मेरी जुबानी% के अंतर्गत शासकीय योजनाओं से लाभान्वितों ने आभार व्यक्त करते हुए अपने अनुभव साझा किये। इस दौरान भाजपा नेताओं द्वारा भारतीय जनता पार्टी के शासन में चल रही जनहित की योजनाओं के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भगवानदास राठौर, एवं टिकरिया सरपंच अनंत मसुरहा,जनपद सदस्य डॉ0 रमेश विश्वकर्मा, प्राचार्य चेतलाल प्रजापति,संकल्प यात्रा प्रभारी अवस्थी जी,रामविहारी यादव,लक्ष्मनिया चौधरी एवं जनता जनार्दन की उपस्थिति में जनसमस्याओं पर सुनवाई कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं साथ ही विभिन्न विभागीय स्टाल्स के माध्यम से जनता को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जा रहा है बंगला परिसर में आयोजित हुए कार्यक्रम में भाजपा नेता संतोष कुशवाहा,सुखदेव सिंह सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने इस संकल्प यात्रा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

.बड़वानी अंजड़ के मुख्य अधिकारियों ने दी 75वें गणतंत्र दिवस की शुभकामनाये

सिटी चीफ। रवि शिमले बड़वानी, मध्य प्रदेश के बड़वानी स्थिति अंजड़ में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राकेश चौहान वा आजंड नगर परिषद अध्यक्ष मांगीलाल मुकाती नगरसभी देश वासियो को 75वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाये दी.

अंजड में क्षत्रिय सिर्वी समाज के धर्मगुरु का हुआ आगमन,जमकर झुमे समाजजन धर्मगुरु ने दिए आशीर्वचन

सिटी चीफ । रवि शिमले
बड़वानी, अंजड में क्षत्रिय सिर्वी समाज के धर्मगुरु गोपाल पिरोसा का आगमन हुआ जिसमें समाजजनों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस दौरान क्षत्रिय सिर्वी समाज के पंच लक्ष्मण जमादारी, भगवान जमादारी, कैलाश चौधरी, जगदीश मुकाती व नगर अध्यक्ष सुनिल जमादारी व बड़ी तादाद में वरिष्ठजनों ने आदरणीय दिवान साहब की अगुवानी की वहीं पलक पांवड़े बिछाए महिला व पुरुष एवं युवाओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत कर आतिथ्य सत्कार कर नगर भ्रमण पर निकले जहां पारंपरिक ढोल व बैंड बाजों पर जमकर थिरके जिसके उपरांत अंजड में सिर्वी समाज के पुर्व दिवान साहब की घोड़ी के समाधी स्थल चंपा बावड़ी पहुंच कर धर्मगुरु पिरोसा दिवान श्री गोपाल

परमार ने पुजन किया जिसके उपरांत समाज की धर्मशाला में धर्मगुरु पिरोसा द्वारा समाजजनों को समाज उत्थान को लेकर अपने आशीर्वचन दिए गए। तदुपरांत सामुहिक भोजन प्रसादी ग्रहण की गई।

लैंगिक भेदभाव मिटाने के लिए काम करने वाले भवति के स्वयं सेवक हुए सम्मानित

सिटी चीफ । रवि शिमले बड़वानी, महिला एवं बाल विकास विभाग बड़वानी द्वारा शासकीय आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास भवति में जेंडर चैम्पियन को सम्मानित किया गया । बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम अंतर्गत समाज में लैंगिक भेदभाव समाप्त करने के लिए विभिन्न हॉस्टल तथा स्कूलों में किशोर समूह बनाकर उनको प्रशिक्षित किया गया था इसी कड़ी में हायर सेकेण्डरी स्कूल भवति के हॉस्टल में रहने वाले 50 बच्चों के समूह को प्रशिक्षित किया गया था। हॉस्टल में आयोजित कार्यक्रम में किशोर सशक्तिकरण जिला समन्वयक शैलेश बैरागी द्वारा समूह के स्वयं सेवकों को उनके द्वारा गांव में किए गए जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। छात्रावास अधीक्षक श्री तूफान सिंह ने बताया कि बच्चों ने घरेलू स्तर पर व्याप्त लेंगिक भेदभाव को समझा तथा उसे समाप्त करने के लिए जागरूकता गतिविधियों को किया। अपने परिवार में भी शिक्षा और घरेलू कामकाज में भेदभाव के विरुद्ध माहोल बनाया है। भवति हॉस्टल में 50 बच्चों का समूह बाल संरक्षण तथा लेंगिक भेदभाव के विरुद्ध कर कर रहा है । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा समय समय पर उनको प्रशिक्षण दिया जाता रहा है।भीमा नायक पीजी कॉलेज में राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर से लेकर बीएलओ स्तर तक के अधिकिरियो ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली।

कटनी में टी स्टाल में फटा घरेलू गैस सिलैंडर नाश्ता करने वाले समेत दुकान संचार आये चपेट

सिटी चीफ 7 सुनील यादव
कटनी, कटनी जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र विलायतकला बस स्टैड स्थित यादव टी स्टाल में घरेलू दो गैस सिलैंडर एक के बाद एक फटने से टी स्टाल में चाय नाश्ता करने वालो समेत दुकान संचार इस आग की चपेट में आ गए इस घटना में 3 लोगो की हालत गंभीर बनी हुई है और दो को मामूली चोटे आई है वही आस पास की दुकानों तक इसकी आग पहुंच गई थी।

स्थानीय लोगो ने बताया की यह दुकान यादव टी स्टील के नाम से विकायतकला बस स्टैंड में मनोज यादव और उसके छोटे भाई लाला यादव द्वारा संचालित की जा रही थी लेकिन अचानक एका एक दुकान में उपयोग की जा रही घरेलू सिलेंडर में रिसाव के चकते आग पकड़ ली और सिलेंडर बम की तरह बलास्ट हो गया और इस सिलेंडर के बाद पास में ही रखा दूसरा घरेलू सिलेंडर भी फट गया और इसके में अफरा तराफी मच गई वही इसकी सूचना मिलते बड़वारा थाना प्रभारी अपनी टीम के

साथ मौके पर पहुंच इस घटना में गंभीर रूप से घायल दुकान संचार और उसके छोटे भाई को कटनी जिला अस्पताल रेफर कर दिया है वही एक का इलाज बड़वारा स्वास्थ्य केंद्र में जारी है वही दो लोगो को मामूली चोटे आई है।

कटनी में मिली 23 वर्षीय युवक की लाश, मचा हड़कंप

पुलिस ने शुरू की जांच

सिटी चीफ । सुनील यादव
कटनी, कटनी एंकर बस स्टैंड चौकी से चंद कदमों की दूरी पर रचना नगर मोड़ के पास चंडिका नगर निवासी 23 वर्षीय एक पेट्रोल पंप कर्मचारी की लास मिलने से सनसनी फैल गई । लोगों ने घटना की सूचना बस स्टैंड चौकी में दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी पुलिस। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की लाश पाए जाने के कारण परिवार वालों ने लगाया हत्या की आशंका जाहिर कर रहे हैं।आपको बात दे की कुठला थाना क्षेत्र अंतर्गत चंडिका नगर निवासी 23 वर्षीय प्रवीण चौबे पिता मुकेश चौबे की लाश आज बस स्टैंड चौकी से महज 200 मीटर की दूरी पर रचना नगर मोड़ पर सड़क किनारे पाई गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक की लाश रात भर सड़क किनारे पड़ी रही लेकिन किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। जब लोगों का ध्यान इस तरफ गया तो उन्होंने घटना की सूचना बस स्टैंड चौकी पुलिस को दी। कि सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर जब पुलिस पहुंची तो वहां पर एक कबाड़ खड़े ऑटो के पास युवक की लाश पड़ी हुई थी। प्रारंभिक जांच में युवक के शरीर में किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। मुंह से खून गिरने के निशान जरूर पाए गए हैं। घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मृतक का शव परीक्षण कराया जा रहा है इसके बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। वही परिवार वाले हत्या की आशंका जताते हुए मामले की जांच करने की बात कर रहे हैं वहीं पूरे मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है.

बोर्ड परीक्षा 2024 में नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों की सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने ली बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

सिटी चीफ । धीरज कुमार अहीरवाल
दमोह, हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा 2024 में नियुक्त कलेक्टर प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के कंप्यूटर बिल्डिंग हाल में किया गया। सीईओ जिला पंचायत अर्पित वर्मा ने कहा वर्ष 2023 की बोर्ड परीक्षा के दौरान कुछ परीक्षा केन्द्रों पर प्रश्न पत्र लीक जैसी स्थिति निर्मित हुई थी, जिसके कारण प्रदेश स्तर तक जिले का नाम धूमिल हुआ तथा उन परीक्षा केन्द्रों के केंद्र अध्यक्षों, कलेक्टर प्रतिनिधि व पर्यवेक्षकों पर कार्यवाहियां की

गई, इस वर्ष मंडल द्वारा जो नियम निर्धारित किए गए हैं, उनका पालन समस्त कलेक्टर प्रतिनिधियों को करना है, जो भी कलेक्टर प्रतिनिधि मंडल के नियमों की अनदेखी करेगा, अथवा लापरवाही की स्थिति में संबंध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा सभी समय का विशेष ध्यान रखेंगे, परीक्षा में समय बहुत महत्वपूर्ण होता हैं। उन्होंने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा हेतु निर्धारित किए गए परीक्षा केन्द्रों पर तैनात कलेक्टर प्रतिनिधियों की बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी एस के नेमा ने कहा आप सभी केंद्र अध्यक्ष तथा सहायक केंद्र अध्यक्ष के साथ शांतिपूर्ण एवं परीक्षा की सुचिता को बनाए रखने में अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

ब्रिटेन सरकार ने कनाडा को दिया बड़ा झटका,एफटीए की वार्ता पर लगाई रोक

इंटरनेशनल डेस्क: ब्रिटेन सरकार ने कनाडाई सरकार को बड़ा झटका दिया है। यूके ने कनाडा के साथ एफटीए वार्ता पर रोक लगा दी है। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब कनाडा में उथल-पुथल का दौर चल रहा है। बताया जा रहा है कि बीफ और पनीर के आयात और निर्यात पर बात नहीं होने के कारण ब्रिटिश सरकार ने कनाडा के साथ ब्रेक्सिट के बाद व्यापार वार्ता रद्द कर दी है। ब्रिटेन के पूरी तरह से यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद से दोनों देश पिछले दो वर्षों से एक नए व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों के बीच व्यापार काफी हद तक उसी सौदे के तहत जारी है जो मूल रूप से तब हुआ था जब ब्रिटेन इस ब्लॉक का सदस्य था। गुरुवार देर रात एक बयान में, यूके सरकार ने कहा कि वह भविष्य में बातचीत फिर से शुरू करने के लिए खुला है लेकिन अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 26 अरब पाउंड यानी 33 बिलियन डॉलर का है। समय के

साथ जैसे-जैसे वार्ता आगे बढ़ी, कनाडाई वार्ताकार अपने बीफ उद्योग और घरेलू निर्माताओं के बढ़ते दबाव में आ गई। बीफ उद्योग अपने हार्मोन-आधारित गोमांस के लिए यूनाइटेड किंगडम तक पहुंच चाहता था, जबकि पनीर निर्माताओं ने ब्रिटेन से टैरिफ-मुक्त पनीर, मुख्य रूप से चेडर के आर्थिक प्रभाव के बारे में चेतावनी दी थी। एक समय-सीमित साइड समझौते की समाप्ति के बाद ब्रिटेन से टैरिफ-मुक्त पनीर निर्यात 2023 के अंत में बंद हो गया, जिससे ब्रिटिश उत्पादकों को 245 प्रतिशत के उच्च शुल्क का सामना करना पड़ा। कनाडा की व्यापार मंत्री मैरी एनजी ने एक्स पर कहा कि कनाडाई सरकार ऐसे सौदे पर कभी सहमत नहीं होगी जो हमारे श्रमिकों, किसानों और व्यवसायों के लिए अच्छा नहीं है। यूरोपीय संघ की सदस्यता पर ब्रिटेन के 2016 के जनमत संग्रह के दौरान जो मुख्य लाभ दिया जा रहा था, उनमें से एक यह था कि यह देश को अपनी स्वतंत्र व्यापार नीति को आगे बढ़ाने की अनुमति देगा। हालांकि, ब्रेक्सिट के बाद से कुछ नए व्यापार सौदों पर बातचीत हुई है, और किसी भी आगामी लाभ को व्यापक रूप से मामूली माना जाता है जब इसे ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार में आने वाली बाधाओं के खिलाफ रखा जाता है। ब्रेक्सिट से पहले, ब्रिटेन ब्लॉक के भीतर स्वतंत्र रूप से व्यापार कर सकता था। प्रधान मंत्री ऋषि सुनक की प्रवक्ता कैमिला मार्शल ने कहा, यह हमारी स्वतंत्र व्यापारिक स्थिति का लाभ है कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सौदे के विवरण पर जोर देने में सक्षम हैं कि यह विशेष रूप से यूके के हितों में काम करता है। उन्होंने कहा, हम भविष्य में कनाडा के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं, जहां हम एक व्यापारिक संबंध बना सकते हैं जिससे दोनों तरफ के व्यवसायों और उपभोक्ताओं को लाभ होगा। वार्ता टूटने के साथ अब प्रधानमंत्री सुनक की टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, कनाडा ब्रिटिश कारों के निर्यात पर अप्रैल से उच्च टैरिफ लग सकता है। ब्रिटिश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ने कहा कि वार्ता का विफल होना अशुभ समाचार है और सरकार से प्रभावित क्षेत्रों की मदद करने का आग्रह किया। चैंबर के व्यापार नीति प्रमुख विलियम बेन ने कहा, हमारे डेयरी निर्यातकों और हमारे विनिर्माण उद्योग के कुछ हिस्सों के लिए प्रमुख व्यापार प्राथमिकताओं का नुकसान उन्हें 2020 से पहले की तुलना में बदतर स्थिति में डाल देता है। फिर शुरू करेंगे वार्ता वहीं, कनाडा की व्यापार मंत्री मैरी एनजी ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार वार्ता को रोकने के ब्रिटेन के फैसले पर निराशा व्यक्त की है। एनजी ने ओटावा में कहा कि उन्हें बहुत विश्वास है कि दोनों पक्ष फिर से बातचीत की मेज पर आएंगे। उन्होंने कहा, मैं यूनाइटेड किंगडम में अपने सहयोगियों को बातचीत की मेज पर वापस आने का प्रयास करूंगी क्योंकि बातचीत से ही हमें कोई सौदा मिलता है।

जुड़वां बच्चों को पिता ने बेचा 19 साल बाद फिर मिले

त्बिलिसी-अक्सर फिल्मों में आपने जुडवां बच्चों से जुड़ी कहानियां देखी होंगी। जहां दो जुड़वां बच्चे जन्म के समय अलग हो जाते हैं और फिर बड़े होने पर वो अचानक एक-दूसरे से मिलते है। ऐसा ही कुछ पूर्वी यूरोपीय देश जॉर्जिया में देखने को मिला। एमी ख्विताया और एनो सरतानिया दो बहन जन्म के समय अलग हो गए थे। लेकिन 19 साल बाद समय के फेर ने उन्हें फिर से मिला दिया।कौन है ये जुडवां बहनें? एमी ख्विताया और एनो सरतानिया दो जुडवां बहनें हैं। जो पूर्वी यूरोपीय देश जॉर्जिया से ताल्लुक रखती हैं। खास बात है कि दोनों एक ही देश में थे लेकिन अलग-अलग शहर में रह रही थी। दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए हुई। एक टैलेंट शो के जरिए वो दोनों एक-दूसरे से आमने-सामने मिलें। गौरतलब है कि जॉर्जिया देश में अक्सर अस्पतालों से बच्चे चुराने, बेचने की घटनाएं सामने आती रही हैं। कैसे हुई मुलाकातएमी और एनो जब 12 साल के थे, तब यह एक-दूसरे को खोजने की यात्रा शुरु हुई। एक टीवी शो में एमी की नजर नाच रही लड़की पर पड़ी, जो हू-ब-हू उसकी तरह दिखती थी। उस दौरान हालांकि एमी को पता नहीं था कि वह जो लड़की नाच रही वो उसकी बचपन में अलग हुई बहन थी। खास बात है कि दूसरी ओर, एनो को एक टिकटॉक वीडिया मिला, जिसमें उसने एक नीले बालों से रंगी एक लड़की को देखा, जो उसके चेहरे से मेल खाती थी। वो लड़की कोई ओर नहीं बल्कि एनो की बहन एमी थी। पिता ने बेच दिया था जुडवां बहनों को जुड़वां बच्चों को जन्म देने वाली अजा शोनी 2002 प्रवस के दौरान कोमा में चली गई थी। जिसके बाद पारिवारिक परिस्थितियों के कारण बच्चियों के पिता ने दोनों बहनों को अलग-अलग परिवारों में बेच दिया था। एनो की परवरिश जॉर्जिया के त्बिलिसी में हुआ, जबकि एमी जॉर्जिया के जुगदीदी में पली बढ़ी थी। दोनों को अपने जीवनकाल में इस तरह की घटना की भनक तक नहीं थी। 11 साली की उम्र में एक नृत्य प्रतियोगिता में दोनों ने भाग लिया था, जहां दर्शकों में भी इसको लेकर आश्चर्य था कि दोनों एक जैसी दिखाई देती है, लेकिन दोनों को अभी भी इस बारे में पता नहीं था कि वह दोनों जुड़वां बहने हैं।

टाटा-एयरबस के बीच हुई डील, मिलकर बनाएंगे एच125 हेलीकॉप्टर, इन मुद्दों पर भी हुआ समझौता

बिजनेस डेस्क: एयरबस हेलीकॉप्टर्स ने शुक्रवार को कहा कि वह देश में हेलीकॉप्टर बनाने का संयंत्र स्थापित करने के लिए टाटा समूह के साथ साझेदारी कर रहा है। एयरबस हेलीकॉप्टर ने एक बयान में कहा कि वह 'फाइनल एसेंबली लाइन (विनिर्माण इकाई) के जरिये 'सिविल रेंज के एयरबस एच125 हेलीकॉप्टर का विनिर्माण करेगी। इसका उत्पादन भारत और कुछ पड़ोसी देशों को निर्यात करने को लेकर किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि 'फाइनल असेंबली लाइन (एफएएल) निजी क्षेत्र के भारत में हेलीकॉप्टर विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का पहला उदाहरण होगा। यह भारत सरकार के आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम को गति देगा। इस साझेदारी के तहत, टाटा समूह की अनुषंगी कंपनी टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड

(टीएएसएल) एयरबस हेलीकॉप्टर्स के साथ संयंत्र स्थापित करेगी। यह घोषणा 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान की गई। एयरबस हेलीकॉप्टर्स ने कहा कि भारत में एफएएल प्रमुख कल-पुर्जों को जोड़ने (असेंबली), एवियोनिक्स और मिशन सिस्टम, विद्युत हार्नेस की स्थापना, हाइड्रोलिक सर्किट, उड़ान नियंत्रण, ईंधन प्रणाली और इंजन के एकीकरण का कार्य करेगा। बयान के अनुसार, इसके अलावा यह भारत और क्षेत्र में ग्राहकों के लिए एच125 का परीक्षण, योग्यता और वितरण भी करेगा। इसमें कहा गया है कि एफएएल को स्थापित होने में 24 महीने का समय लगेगा। पहले मेड इन इंडिया एच125 की डिलिवरी 2026 के शुरू होने की उम्मीद है। बयान के मुताबिक, 'फाइनल असेंबली लाइन लगाने के लिए स्थान एयरबस और टाटा समूह संयुक्त रूप से तय करेंगे। एयरबस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) गुइलाम फाउरी ने कहा, ''राष्ट्र निर्माण के लिए हेलीकॉप्टर महत्वपूर्ण हैं। मेड-इन-इंडिया सिविल हेलीकॉप्टर न केवल आत्मविश्वास से भरे नए भारत का प्रतीक होगा, बल्कि देश में हेलीकॉप्टर बाजार की वास्तविक क्षमता को भी सामने लाएगा। उन्होंने कहा, हेलीकॉप्टर के लिए हम 'फाइनल असेंबली लाइन अपने भरोसेमंद साझेदार टाटा के साथ मिलकर बनाएंगे। यह भारत में एयरोस्पेस परिवेश को विकसित करने के लिए एयरबस की प्रतिबद्धता को बताता है।

व्हाइट हाउस ने तय किए कैबिनेट अधिसूचनाओं के लिए नए दिशानिर्देश

वाशिंगटन-व्हाइट हाउस अब अधिकारियों के लिए नए दिशानिर्देश बना रहा है कि जब भी किसी विभाग का प्रमुख काम कर पाने में असमर्थ है तो उसे सूचित किया जा सके। बता दें, हाल में ही रक्षा सचिव के अस्पताल में भर्ती होने के कारण प्रशासन को नए दिशानिर्देशों की आवश्यकता महसूस हुई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नए दिशानिर्देशों में करीब छह निर्देश शामिल हैं, जिन्हें कैबिनेट सचिव की अनुपस्थिति में किसी डिप्टी अधिकारी को सौंपा जा सके। व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ जेफ जिएंट्स ने निर्देशों के निर्माण के लिए कार्य करना शुरू किया था। पिछले सप्ताह अस्पताल में हुए थे भर्ती मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन दो सप्ताह अस्पताल में भर्ती थे। वे प्रोस्टेट कैंसर की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती थे। हालांकि, अब उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है। उन्होंने बाइडन प्रशासन और कई वरिष्ठ नेताओं और कर्मचारियों को अपने इलाज की भनक तक नहीं लगने दी थी। हालांकि, लॉयड पूरी तरह से स्वस्थ्य होने तक घर से ही काम करेंगे। 22 दिसंबर को वाल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में उन्हें भर्ती कराया गया था। कैंसर के उपचार के लिए उनकी सर्जरी की गई थी। बाइडन को भी नहीं थी जानकारी दावा किया गया है कि राष्ट्रपति बाइडन सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों को भी चार जनवरी तक ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में पता नहीं था। कैंसर के उपचार तक इसे छिपा कर रखा गया। बाइडन ने कहा था कि ऑस्टिन के अस्पताल में भर्ती होने की खबर नहीं थी।

अदालत के फैसले पर दक्षिण अफ्रीका ने जताई खुशी रामाफोसा ने कहा- यह न्याय की ओर पहला कदम

केपटाउन- अंतरराष्ट्रीय अदालत के फैसले के बाद दक्षिण अफ्रीका का बयान सामने आया है। अफ्रीका ने इस्त्राइल पर लगाए गए नरसंहार के आरोपों को सही ठहराया है। वहीं, इस्त्राइल ने अदालत के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने इसे अपमान जनक बताया है। बता दें, इस्त्राइल पर गाजा में नरसंहार करने का आरोप लगाते हुए दक्षिण अफ्रीका ने अदालत का रुख किया था। अफ्रीका ने युद्ध विराम की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने गाजा में युद्ध विराम का आदेश देने से इनकार कर दिया। राष्ट्रीय चैनल पर रामाफोसा ने किया संबोधित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शुक्रवार शाम एक राष्ट्रीय चैनल पर कहा कि अदालत के फैसले में अंतरराष्ट्रीय कानून, मानवाधिकार सबसे ऊपर रहे। यह न्याय की जीत है। राष्ट्रपति ने कहा कि आईसीजे का फैसला गाजा के नागरिकों के लिए न्याय सुनिश्चित करने का पहला कदम है। हमने जब कोर्ट का रूख किया तो कई लोगों ने हमें कहा कि हम अपने काम से काम करें। कुछ ने कहा

कि यह हमारा काम नहीं है। हम भी रंगभेद के शिकार थे। हमने हमलों को अनुभव किया है। हमने इस परेशानी को झेला है। रंग के संघर्ष में हमारे कई लोगों की मौत हो गई। कई लोगों को निर्वासित कर दिया गया। हम निष्क्रिय नहीं हो सकते। हम सभी की स्वतंत्रता के लिए खड़ें हैं। हम न्याय के लिए खड़े हैं। इस्त्राइल ने की आलोचना इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अदालत के फैसले के बाद शुक्रवार को कहा कि हम अपने लोगों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे लोगों और देश की सुरक्षा के लिए जो भी आवश्यक कदम होंगे हम उठाएंगे। हर देश की तरह इस्त्राइल को भी अपनी अखंडता की रक्षा करने का बुनियादी अधिकार है।

गाजियाबाद में फंदे पर लटकर कांस्टेबल ने दी जान, सामने आई बड़ी वजह

नेशनल डेस्क: उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले की पुलिस लाइन में एक ट्रैफिक कांस्टेबल ने फंदे से लटककर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात हुई। कविनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अभिषेक त्रिपाठी ने बताया, ''कांस्टेबल पंकज कुमार ने पुलिस लाइन के अंदर फांसी लगा ली। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनको मृत घोषित कर दिया। त्रिपाठी ने बताया कि पंकज कुमार 2016 में पुलिस में भर्ती हुए थे और अविवाहित थे। एसीपी ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पंकज कुछ व्यक्तिगत मुद्दों से परेशान थे, जिसके कारण उन्होंने यह कदम

उठाया। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अब मुइज्जू को याद आई भारत की सदियों पुरानी दोस्ती.. गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए क्या बोल गए?

इंटरनेशनल डेस्क: सदियों की दोस्ती, आपसी सम्मान और बंधुत्व की गहरी भावना से पोषित मालदीव-भारत संबंधों पर प्रकाश डालते हुए द्वीपीय देश के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शुक्रवार को भारत को उसके 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। मालदीव की सरकार और जनता की ओर से राष्ट्रपति का भारत की सरकार और जनता को अभिवादन, कई मुद्दों पर दोनों देशों के बीच राजनयिक विवाद की पृष्ठभूमि में आया। ये राजनीतिक गतिरोध चीन के प्रति झुकाव रखने वाले मुइज्जू के पिछले साल नवंबर में शपथ लेने के बाद सामने आया था। विदेश मंत्री मूसा जमीर और दो पूर्व राष्ट्रपतियों, मोहम्मद नशीद और इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने भी अपने सोशल मीडिया मंच पर भारत को शुभकामनाएं दीं। मुइज्जू के कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को अलग-अलग भेजे गए शुभकामना संदेशों में उन्हें देश के लोगों की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। बयान में मुइज्जू ने सदियों की दोस्ती, आपसी सम्मान और बंधुत्व की गहरी भावना से पोषित मालदीव-भारत संबंधों को रेखांकित किया, और आने वाले वर्षों में भारत की सरकार और लोगों के लिए निरंतर शांति, प्रगति और समृद्धि की आशा व्यक्त की। विदेश मंत्री जमीर ने अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर और भारत के मैत्रीपूर्ण लोगों को हार्दिक बधाई और सच्ची शुभकामनाओं के साथ बधाई दी। उन्होंने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुझे विश्वास है कि मालदीव और भारत के बीच दोस्ती और सहयोग के करीबी रिश्ते आने वाले वर्षों में भी फलते-फूलते रहेंगे। राजनयिक विवाद तब शुरू हुआ जब मुइज्जू ने अपने शपथ ग्रहण के 24 घंटे के भीतर भारत से द्वीपीय राष्ट्र से अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने की मांग की। इसके बाद परंपरागत रूप से राष्ट्रपति के अपने पहले विदेश दौरे पर भारत आने के बजाय चीन का दौरा करने ने भी रिश्तों में खटास को बढ़ाया। मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ पोस्ट करने से मामला और बिगड़ गया।

अदन की खाड़ी में हूती ने अमेरिकी और ब्रिटिश जहाज को बनाया निशाना, ब्रिटेन की नाव में लगी आग

वाशिंगटन-हूती विद्रोहियों ने एक बार फिर अदन की खाड़ी पर अमेरिकी युद्धपोत पर हमला कर दिया। इसी के साथ हूतियों ने एक ब्रिटिश जहाज पर भी हमला कर दिया। बता दें, इस्त्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से यमन के हूती विद्रोही सक्रिय हो गए हैं। इस वजह से समुद्री हमलों में इजाफा हो गया है। ब्रिटिश जहाज में लगी आग मीडिया रिपोर्ट की मानें तो अमेरिकी युद्धपोत को निशाना बनाने के बाद विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश जहाज को तबाह कर दिया। ब्रिटिश सेना के यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ऑपरेशंस और अमेरिका ने हमले की पुष्टि की है। हमले के कारण

जहाज में आग लग गई थी। अमेरिका ने कहा कि हमला यमन के विद्रोहियों ने किया है, जिस वजह से जहाज क्षतिग्रस्त हो गया। बता दें, हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने कार्नी हमले की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, उन्होंने एक वाणिज्यिक जहाज पर मिसाइल हमले का दावा किया, जिससे उसमें आग लग गई थी। अमेरिका आगे भी हमलों का जवाब देंगे हाल ही में व्हाइट हाउस के अधिकारी, जॉन किर्बी ने कहा था कि अगर समूह आगे भी हमले जारी रखेगा तो अमेरिका उनका मुकाबला करेगा। किर्बी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। इस दौरान किर्बी ने कहा कि हमें पता है कि समूह के पास अब भी सैन्य शक्ति है। अब उनको तय करना है कि वह इन शक्ति का इस्तेमाल कैसे करेंगे। अगर वे हमले जारी रखेंगे तो हम भी हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे और उनका उचित मुकाबला करेंगे। जैसा हम करते हैं। हूती के सैन्य प्रवक्त ब्रिगेडियर जनरल याह्या साड़ी ने कहा था कि हूती अमेरिका के हमलों का उचित जवाब दिया जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569